आषाढ़ कृष्ण पक्ष -13, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 14 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

04 जुलाई 2024 गुरुवार

आज का मौसम

27 अधिकतम

23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

बारबाडोस में फंसी टीम इंडिया सुबह लौटी, पीएम से मिलकर मुंबई रवाना

नई दिल्ली , एजेंसी।

पिछले सप्ताह टी 20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भयंकर तूफान के चलते वेस्टइंडीज में फंसी टीम इंडिया अंततः आज सुबह दिल्ली लौटी तो चारों तरफ स्वगात के लिये लोग खडे थे। दिल्ली एयरपोर्ट से लेकर आईटीसी मौर्या होटल तक प्रशंसक अपने खिलाड़ियों के लिए पलक-पावड़ें बिछा दिए। होटल पहुंचने पर ढोल-नगाड़ों से टीम इंडिया का ऐसा स्वागत हुआ की कैप्टन रोहित शर्मा समेत कई खिलाड़ी थिरकने लगे। बाद में टीम पीएम हाउस पहुंची और यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मोदी ने टीम के साथ बैठकर हर खिलाडी से वन टू वन चर्चा की इस दौरान हास परिहास भी हुआ।

चैंपियंस का चारों तरफ स्वागत, शाम को विक्ट्री परेड

अब टीम इंडिया का रोडमैप

पीएम मोदी से मिलने के बाद खिलाड़ी मुंबई के लिए चार्टर्ड फ्लाइट से उड़े

मुंबई में लैंड करने के बाद,सभी खिलाड़ी खुली बस में वानखेड़े स्टेडियम तक पहुंचेंगे.

5 बजे से मरीन ड्राइव और वानखेड़े स्टेडियम के बीच विक्ट्री परेड होगी

भावुक हुए कोहली: भारतीय टीम लगभग एक महीने बाद स्वदेश लौटी है। परिवार से इतने लंबे समय तक दूर रहने के बाद भारतीय खिलाड़ी भावुक हो गए। विराट कोहली के स्वागत के लिए उनका पूरा परिवार आईटीसी मौर्य पहुंचा। इस दौरान कोहली उन्हें देखकर भावुक हो गए। किंग कोहली ने अपने भांजे-भांजियों को मेडल पहनाया। होटल में कोहली की मां और बहन उनसे मिलने के लिए पहुंची थी।

चांदी की ट्राफी.. क्यों ?

दरअसल, वर्ल्ड कप ट्रॉफी के कलर में अहम अंतर सोने और चांदी का होता है. दरअसल, टी-20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी में गोल्ड का इस्तेमाल नहीं होता है और ये ट्रॉफी सिल्वर और रोडियम से मिलकर बनाई जाती है. वहीं, जो वनडे वर्ल्ड कप होता है, उसकी ट्राफी सोने और चांदी से मिलकर बनाई जाती है, जिस वजह से उसका रंग गोल्डन होता है. ऐसे में 50 ओवर वाले मैचों के वर्ल्ड कप में जो ट्रॉफी मिलती है, वो गोल्डन होती है. वहीं, टी-20 मैचों के वर्ल्ड कप में जो ट्रॉफी मिलती है, वो सिल्वर कलर की होती है।

अब सरकार पर लगाया किसान विरोधी होने का आरोप

बजट चर्चा के पहले कंधे पर मूंग की बोरी लादकर पहुंचे कांग्रेस विधायक

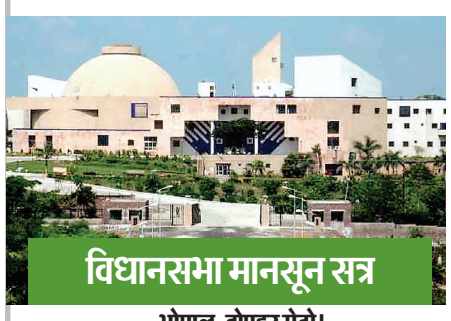

विधानसभा मानसून सत्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र का आज चौधा दिन है और नर्सिंग घोटाले पर कांग्रेस के तेवर बरकरार नजर आ रहे हैं। वहीं सदन की कार्यवाही शुरू होने पर प्रश्नकाल के बाद ध्यानाकर्षण प्रस्तावों पर चर्चा जारी है। इससे पहले आज सुबह सदन की कार्यवाही में शामिल होने के लिए टिमरनी से कांग्रेस विधायक अभिजीत शाह मूंग की बोरी कंधे पर रखकर विधानसभा पहुंचे। यह देखक सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें गेट पर रोका। इस पर विधायक अभिजीत शाह ने सरकार पर किसान विरोधी होने का आरोप लगाया और नारेबाजी की। उधर नर्सिंग घोटाले पर भी कांग्रेस के तीखे तेवर दो दिन से बरकरार हैं।

कांग्रेस विधायक जब मूंग की बोरी लेकर विधानसभा प्रवेश द्वार पर पहुंचे तो सुरक्षा कर्मियों से उनकी बहस हुई।

हालांकि इस पर लंबी चर्चा हो चुकी है लेकिन विपक्ष तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री पर हमलावर है और इस्तीफे की मांग कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि उप मुख्यमंत्री, वित्त जगदीश देवड़ा ने कल विधानसभा में करीब 3.64 लाख करोड का राज्य का बजट पेश किया है, जिस पर आज सदन में चर्चा होगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ मंत्री और सत्ता पक्ष के विधायक बजट पर अपनी राय व्यक्त करेंगे। हालांकि सत्तापक्ष की मुश्किल नर्सिंग घोटाले को लेकर विपक्ष के तीखे तेवर हैं। इस पर दो दिन से हंगामा हो रहा है। कार्यसूची के मुताबिक तो आज विधानसभा में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत बजट पर सामान्य और विभागवार चर्चा होगी। इसके बाद विभागों की अनुदान मांगों को पारित किया जाएगा।

चुनाव नतीजों के दिन 30 लाख करोड़ डूबे थे

बाजार 4 से 4 तक...तब गिरावट की सुनामी, अब उछाल की सनसनी

नई दिल्ली , एजेंसी।

भारतीय शेयर बाजार में आने वाले जबर्दस्त उछाल के नये दौर के बीच महीने की 4 तारीख महत्वपूर्ण हो गई है। दरअसल पिछले चार जून को चुनाव के नतीजे ओने के बाद से बाजार गुलजार जरूर हैं लेकिन चार जून से पहले बाजार में अजब सन्नाटा और सुनामी आई थी तब करीब 30 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए थे। इसीलिये बीती 4 जून से आज 4 जून का सफर दिलचस्प है। आज भी जोरदार तेजी के साथ बाजार ओपन हुआ। सेंसेक्स 80,000 के पार कारोबार करता? दिखा। वहीं ने भी निफ्टी भी नया ऑल टाइम हाई लेवल छू लिया

4 जून को क्या हुआ था: गत माह आज के ही दिन चुनावी नतीजे आ रहे थे। इस दिन एग्जिट पोल्स के अनुमान धरे के धरे रह गए थे तो शेयर बाजार भी हाहाकार मच गया था। कारोबार शुरू होते ही गिरावट का जो सिलसिला शुरू हुआ, वो बढ़ता गया। सेंसेक्स ने उस दिन 1700 अंक टूटकर ट्रेडिंग शुरू की थी और दोपहर तक तो ये 6094 अंक तक फिसल चुका था। निफ्टी भी 1947 अंक की भारी गिरावट के साथ फिसलकर 21,316 के लेवल पर पहुंच गया था। यानि 30 लाख करोड़ रुपये मार्केट कैप कम हो गया था।

80000 के पार खुला सेंसेक्स

आज ठीक एक महीने बाद यानी 4 जुलाई को शेयर बाजार में कारोबार की, तो बीएसई का सेंसेक्स और एनएसई का निफ्टी दोनों ही इंडेक्स अपने ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच गए हैं। यानि सेंसेक्स ने करीब 10,000 अंकों की रिकवरी करते हुए इतिहास रचा है। आज यह 80,375.64 के नए रिकॉर्ड लेवल पर है। निफ्टी भी पिछले बंद की तुलना में 24,369.95 के लेवल पर खुला और कुछ ही देर में पहली बार 24,400 का स्तर पार कर गया।

सीधी वालों की सीधे पीएम से की सीधी बात !

आपके सांसद हमारे यहां से पूरी 29 सीटें जीते, सड़क नहीं बनी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सडक नहीं बनने से परेशान एक महिला ने तमाम शिकायतें बेअसर होते देख सीधे वीडियो बनाकर पीएम से गुहार कर डाली। इन दिनों सोशल मीडिया पर इसी महिला का वीडियो तेजी से वायरल है। यह महिला मप्र के सीधी की बताई जा रही है। महिला कहती है कि उसकी बात पीएम नरेंद्र मोदी तक पहुंच जानी चाहिए. क्योंकि उसके गांव में सड़क नहीं बनी है। कलेक्टर और सांसद तक से लोगों ने मुलाकात कर ली, लेकिन फिर भी सड़क नहीं बनी। कोई अर्जी नहीं सुन रहा। उसने बताया कि खराब सड़क के कारण काफी दिक्कतें होती हैं। वीडियो में सड़क और आसपास की हालत भी दिखती है।

वायरल वीडियो में महिला कहती है, 'मोदीजी हमारे यहां का रोड बनवा दीजिए। आपके सांसद हमारे यहां से सारी 29 सीट जीते हैं। हमारे मध्यप्रदेश के लोगों ने जिताया है। हमारे गांव का नाम खडीखुर्द है,जो सीधी जिले में पड़ता है।' महिला कहती है 'जंगल है तो क्या हुआ, रोड तो चाहिए न, यहां कितनी बस पलटती हैं. बरसात में तो और हालत खराब होती है. हमारी अपील है कि बात मोदीजी तक जानी चाहिए।' खबरों के मुताबिक इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर छपरा जिला नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है। इसे अभी तक 1.38 लाख लोगों ने देख लिया है. जबकि इसे 5 हजार से ज्यादा लोगों ने लाइक किया है।

फ्रिज में उतरा करंट, मां और बेटी की मौत

देवरिया , एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के देवरिया में फ्रिज में करंट उतरने से मां और बेटी दोनों की ही मौके पर मौत हो गई। बताया जा रहा है कि 55 वर्षीय शायदा फ्रिज में रखे आम को निकालने गई थी और जैसे ही दरवाजा खोला वह फ्रिज में उतरे करंट की चपेट में आ गई। मां को फ्रिज में चिपके देख, बेटी अफसाना खातून उसे बचाने दौड़ी लेकिन वह भी करंट का शिकार हो गई। अफसाना अपनी छोटी बहन की शादी में शामिल होंने मायके पहुंची थी। घटने के बाद भारी संख्या में इकट्ठा हो गए। हालांकि, घर वालों ने पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया।

बिहार: 9 पुल गिरे, सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली । बिहार में हाल के दिनों में पुल गिरने की कई घटनाएं सामने आने के बाद सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें मांग की गई है कि सुप्रीम कोर्ट बिहार सरकार को निर्देश दे कि वह राज्य के सभी मौजूदा और निर्माणाधीन पुलों की उच्च स्तरीय जांच कराएं। दरअल 15 दिनों में ही राज्य में 9 पुल गिर चुके हैं। कल ही सीवान जिले में दो और सारण में एक पुल गिर गया। इनके अलावा पंचायत स्तर पर भी कई पुल गिर चुके हैं।

वकील ब्रजेश सिंह ने याचिका दायर की है। उन्होंने कहा है कि पुल गिरने में कई लोगों की मौत हुई है। घटनाओं को रोकने तुरंत कदम उठाने जरूरी हैं। ताकि सरकार की लापरवाही, ठेकेदारों के भ्रष्ट गठजोड़ को खत्म किया जा सके।

राजस्थान में मंत्री पद से मीणा का इस्तीफा

जयपुर । राजस्थान की भजनलाल सरकार के कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। लोकसभा चुनाव में दौसा सीट पर हुई हार के बाद मीणा के इस्तीफे के कयास थे। मीणा ने खुद इसका खुलासा किया व कहा कि मैंने सभी सरकारी सुविधाओं से दूरी बना ली है। मैंने पहले ही जनता के बीच एलान कर दिया था। दरअसल टोंक में सीएम की मौजदगी में मीणा ने कहा था कि अगर कोई 5 वर्ष में सुखबीर जौनापुरिया को पराजित करने वाले हरीश मीणा के मोबाइल नंबर और ठिकाना भी कोई बता दे तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।

भारत में आईफोन के बाजार पर गूगल का दिल आया, सस्ते फोन और ड्रोन बनाने की जुगत में

फॉक्सकान के साथ बड़ी डील की तैयारी शुरू, तमिलनाडु में बनेगा ड्रोन

नई दिल्ली , एजेंसी।

ऐपल के नक्शेकदम पर चलते हुए गूगल ने भी कुछ नया करने की ठानी है और भारत में आईफोन व ड्रोन बनाने का फैसला किया है। दरअसल ऐपल का भारत में आईफोन बनाने का फैसला फायदेमंद रहा है। चीन समेत दुनियाभर में आईफोन सेल में गिरावट दर्ज की गई है। वही भारत में आईफोन सेल के मामले में ग्रोथ दर्ज की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट की मानें, तो गूगल भारत में पिक्सेल फोन के साथ ड्रोन का निर्माण करेगा। गूगल आईफोन बनाने वाली कंपनी फाक्सकान के साथ बड़ी डील की तैयारी में है। उम्मीद है कि गूगल पिक्सल फोन की कीमत भारत में कम हो सकती है। साथ ही ड्रोन की कीमत में गिरावट देखने को मिल सकती है। दावा किया जा रहा है कि गूगल तमिलनाडु में ड्रोन की असेंबलिंग करेगी। एक अनुमान के मुताबिक भारत में ड्रोन मार्केट शेयर साल 2022 में 2.71 बिलियन डॉलर था, जो साल 2030 में बढ़कर 13 बिलियन डॉलर हो गया है। भारत में लगातार स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग में इजाफा दर्ज किया जा रहा है। पिछले साल के मुकाबले भारत में स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग में करीब 50 फीसद की ग्रोथ दर्ज की गई है। यही वजह है कि गूगल जैसी दिग्गज कंपनियां भारत में स्मार्टफोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट जैसे ड्रोन बनाने की दिशा में काम कर रही हैं। 2021 में केंद्र सरकार ने ड्रोन और उसके पार्ट के निर्माण के लिए 120 करोड़ रुपये के प्रोडक्शन लिंक्ड इनिशिएटिव यानी पीएलआई स्कीम का ऐलान किया गया था।

ड्रोन के लिए नए दिशा-निर्देश तय

उल्लेखनीय है कि 2022 में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भारत को ग्लोबल ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने का लक्ष्य तक किया था। इसके लिए ड्रोन यात्रा 2.0 का ऐलान किया था। इसके अलावा सरकार की ओर से ड्रोन के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए एक गाइडलाइन जारी की है, जिसके तहत कॉमर्शियल ड्रोन उड़ाने के लिए लाइसेंस की जरूरत होगी। इसके लिए सरकार ने कुछ दिशा-निर्देश तय किए हैं।

आश्रम पर पुलिस का धावा, नहीं मिला बाबा

मैनपुरी एजेंसी। हाथरस सत्संग में भगदड में 121 मौते के बाद से फरारा सूरजपाल उर्फ भोले बाबा के आश्रम पर अचानक आधी रात में मैनपुरी पुलिस ने छापेमारी की। इस दौरान एसपी सिटी, सीओ भोगांव के साथ पुलिस टीम आश्रम में पहुंची थी। पुलिस टीम आश्रम के अंदर करीब 1 घंटे से ज्यादा तक रही। मगर बाबा नहीं मिला तो अफसरों ने तर्क दिया कि हम सिर्फ सुरक्षा व्यवस्था देखने आए थे। अंदर 50 से 60 महिला पुरुष-श्रद्धालु हैं, जो इस आश्रम में अमूमन आते रहते हैं. जब पुलिस से सवाल किया गया कि हाथरस कांड में नामजद आरोपी की तलाश के लिए पुलिस आई थी या बाबा से पूछताछ के लिए आई थी? प्राप्त जानकारी के अनुसार, नारायण साकार हरि उर्फ 'भोले बाबा' घटना वाले दिन यानि मंगलवार की दोपहर 1.40 मिनट पर ही मौके से निकल गया था. पुलिस के कॉल डिटेल चेक करने पर पता चला कि 'भोले बाबा' को 2.48 मिनट पर आयोजक देवप्रकाश मधुकर का फोन गया. हो सकता है कि बाबा को मधुकर द्वारा हादसे की जानकारी दी गई थी. बाबा और मधुकर के बीच 2 मिनट 17 सेकंड तक बात हुई थी।

तेज बारिश से सड़कें जलमग्न

बुधवार शाम राजधानी में हुई तेज बारिश से गुरुवार सुबह तक कई बस्तियों में पानी भरा रहा। चित्र में जलमग्न बाणगंगा रोड । फोटो निर्मल व्यास

विषय ज्ञान के साथ संस्कृति से परिचय कराती है शिक्षा नीति

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आजादी के बाद शिक्षा में जो भारतीयता का पुट आना चाहिए था, वह अपेक्षाकृत रूप से नहीं आ पाया। पिछले 75 वर्षों के इंतजार के बाद ऐसी शिक्षा नीति आई है, जो विद्यार्थियों को उनके विषय ज्ञान के साथ-साथ अपनी संस्कृति के ज्ञान से भी परिचय कराती है। शिक्षा नीति-2020 मानस परिवर्तन का अभियान, वैचारिक स्वतंत्रता का आंदोलन है। यह बात शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कही।

राजधानी स्थित भोज मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। भारतीय ज्ञान परंपरा राजनीति शास्त्र और राजनीतिक चिंतन पर आयोजित कार्यशाला में सभी शोधार्थियों द्वारा अपने-अपने शोध पत्रों का वाचन किया एवं पाठ्यचर्या में परिवर्तन के लिए सुझाव भी दिए। तकनीकी सत्र का संचालन प्रो. सुषमा यादव, सम कुलपति, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ की अध्यक्षता में पूर्ण हुआ।

हमें मानना चाहिए कि, मैं पृथ्वी पुत्र हूं

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एस.पी. गौतम कहा कि, भारतीय ज्ञान परंपरा की मूल विशेषता है-समग्रता। भारतीय परंपरा मैं से बाहर है। उन्होंने रामायण और महाभारत के कई उदाहरण देकर भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल्यों के बारे में विश्लेषण किया। धर्म चक्र के आधार पर राजनीति करें। हमें यह मानना चाहिए कि, मैं पृथ्वी का पुत्र हूं। राष्ट्र सर्वोपरि है। कर्म- धर्म के आधार पर हो और धर्म- कर्म के आधार पर हो। विश्व और राष्ट्र में भेद नहीं करना चाहिए। कर्तव्य को विवेक के आधार पर करना ही राजनीति है।

समाज में जागृति संभवः तिवारी

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए, मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने कहा कि, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक ज्ञान का भंडार है-हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा। उन्होंने इस संदर्भ में कई भारतीय वैज्ञानिकों की चर्चा की। डॉ. तिवारी ने कहा कि, भारतीय ज्ञान परंपरा के माध्यम से समाज में जागृति लाई जा सकती है।

काउंसलिंग प्रक्रिया 15 सितंबर तक चलेगी, 26 हजार ने कराया दस्तावेजों का सत्यापन

इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए 32 हजार से अधिक पंजीयन, 602 हुए रिजेक्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के 300 इंजीनियरिंग और फामेर्सी कॉलेजों में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बीटेक), बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग (बीई) में प्रवेश के लिए तकनीकी शिक्षा संचालनालय (डीटीई) द्वारा

प्रक्रिया कराई जा रही है। फिलहाल काउंसलिंग प्रक्रिया के तहत इसमें फर्स्ट और क्वालिफाइड राउंड जारी है। अब तक विभिन्न कोर्सों के लिए 32 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीयन कराए हैं। इनमें से करीब 26 हजार ने अपने दस्तावेजों का सत्यापन भी करा लिया है। हालांकि 602 विद्यार्थियों के फॉर्म विभिन्न कारणों से रिजेक्ट भी हुए हैं। पूरी काउंसलिंग प्रक्रिया 15 सितंबर तक चलेगी। इस बार चॉइस फिलिंग बाद में कराई जाएगी। वहीं बी फामेर्सी, डी. फामेर्सी, फार्म-डी सहित डिप्लोमा इंजीनियरिंग व अन्य डिप्लोमा कोर्सेस के लिए भी काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू होगी। काउंसलिंग में सामान्य व टीएफडब्ल्यू के विद्यार्थियों के लिए एक साथ रजिस्ट्रेशन कराए गए हैं। दूसरे राउंड में जेईई के मेरिट के साथ 12वीं के विद्यार्थी भी पंजीयन करा सकेंगे।

इस बार होंगे चार राउंड

सभी कोर्सेस में प्रवेश के लिए 93 दिन काउंसलिंग होगी, 13 जून से शुरू हुई काउंसलिंग चार राउंड के साथ 15 सितंबर तक चलेगी। पहले दो चरण में सेंट्रलाइज्ड स्तर के होंगे। तीसरे राउंड में कालेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) होगी। इसके बाद भी सीट खाली होने पर संस्था स्तर पर प्रवेश ले सकेंगे, लेकिन रजिस्ट्रेशन कराना होगा। बीई और बीटेक में करीब 56 हजार, बी. फामेर्सी में करीब 12 हजार, डी. फामेर्सी में करीब नौ हजार, डिप्लोमा इंजीनियरिंग में करीब 26 हजार सीट के लिए काउंसलिंग की जा रही है।

स्कूल के कर्मचारियों को नहीं मिल रहा वेतन, जांच के निर्देश

भोपाल। मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल के सीएम राइज स्कूल में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों को चार माह से वेतन नहीं मिलने के मामले में संज्ञान लिया है। आयोग के संज्ञान में आया है कि वेतन नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति दयनिय हो गई है और जीवनयापन करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले में आयोग ने स्कूल शिक्षा विभाग को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन मांगा है।

हमीदिया में आयुष्मान योजना का लाभ नहीं मिलने से मरीज परेशान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के सबसे बड़े सरकार अस्पताल हमीदिया में आयुष्यमान भारत के मरीजों को इलाज मिलने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। प्रबंधन यह समस्या हल करने की कोशिश में जुटा भी है। बताया जाता है कि बीते छह माह की रिर्पोट के आधार पर इस मामले का खुलासा हुआ है। जीएमसी डीन द्वारा विभागों को एचओडी व प्रोफेसर को पत्र लिखा है। जिसमें लिखा है कि बीते छह माह में आपके विभाग का कार्य निम्नस्तर का रहा है। जिसके चलते एक ओर आयुष्यमान भारत के मरीजों को

विभागों को व्यवस्था सुधार की चेतावनी

उपचार मिलने में परेशानी हो रही है। बताया जाता है कि इस वजह से संस्थान को वित्त लाभ मिलने में कठिनाई भी हो रही है। डीन द्वारा भेजे गए पत्र में छह माह की आयुष्यमान रिपोर्ट का भी विस्तार से जिक्र है। जिसके आधार पर यह पत्र विभागों को भेजा गया है। इसमें साफ किया गया है कि यह पहली चेतावनी है। ऐसे में आयुष्यमान से जुड़े कार्यों में तत्काल सुधार लाएं, जिससे मरीजों को इलाज और तय लक्ष्य को हासिल किया जा सके। इसके अलावा विभागों द्वारा उठाए गए कदम की सूचना भी डीन कार्यालय भेजें। बताया जाता है कि इस योजना के तहत चिकित्सा लाभ पाने के लिये अक्सर मरीज भटकते रहते हैं और उन्हें एक विभाग से दूसरे विभाग में भेजा जाता है।

टेऊँरामजी का चालीहा महोत्सव, प्रसादी का वितरण

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

श्री प्रेम प्रकाश आश्रम, संत हिरदाराम नगर में सदुरू स्वामी टेऊँराम जी महाराज का चालीहा महोत्सव दिनांक 01 जून 2024 से 11 जूलाई 2024 तक ब? ही धूमधाम से मनाया जा रहा है इस अवसर पर प्रतिदिन सायं आश्रम में सत्संग, आरती, चालीहा पाठ एवं तत्पश्चात प्रसादी वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर मंडल के प्रवक्ता बसंत चेलानी एवं आश्रम के सेवाधारी सतीश टहिलयानी, नारायणदास लालवानी, श्री अर्जुन बेलानी, सतीश धर्मानी, कन्हैयालाल शीतलानी, नारी तनवानी, हरीश मोटवानी, महेश प्रियानी, लक्ष्मण बेलानी, रामचंद रायचंदानी, अशोक पारवानी, लक्ष्मण लालवानी, नरेश कामदार, कन्हैयालाल, मनोहर वासवानी, किशनचन्द, हीरालाल चन्दनानी तथा प्रेम प्रकाश आश्रम के सभी सेवाधारियों ने नगर के धर्मप्रेमी बन्धुओं से महोत्सव का लाभ लेने की अपील की है।

6 जुलाई को होगा कंपनी सेक्रेट्री एग्जीक्यूटिव एंट्रेंस टेस्ट

भोपाल। द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) ने कंपनी सेक्रेटरी एग्जीक्यूटिव एंट्रेंस टेस्ट (सीएसईईटी) जुलाई सत्र 2024 की परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है। दो घंटे की यह परीक्षा 6 जुलाई को आयोजित की जाएगी। इसमें बिजनेस कम्युनिकेशन, लीगल एप्टीट्यूड एंड लॉजिकल रीजनिंग, इकोनॉमिक एंड बिजनेस एनवायरनमेंट, करंट अफेयर्स एंड क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड का पेपर होगा। प्रत्येक पेपर 50-50 नंबर का होगा। इस तरह से पूरा पेपर 200 नंबर का रहेगा। इसमें तीन पेपर के सब पार्ट ए और बी रहेंगे। एग्जीक्यूटिव एंट्रेंस टेस्ट को पास करना उन छात्रों के लिए अनिवार्य रहेगा जो सीएस के एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम को करना चाहते हैं।

हिंदी विवि में दीक्षारंभ समारोह

भोपाल। अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वमविद्यालय, भोपाल में दीक्षांत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें नवप्रवेशित और विगत वर्षों के विद्यार्थियों को योग एवं मानव चेतना विभाग द्वारा योग का अभ्यास कराया गया विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय के साथ पंचकर्म विभाग का भी भ्रमण कराया गया। जैवविविधता विभाग ने विषय अनुसंधान के अवसर पर जानकारी देते हुए कहा कि अनुसंधान की प्रथम शर्त यह है कि शोध कार्य मौलिक होना चाहिए और मौलिक होने के लिए यथोचित पुस्तकों का लाभ लेने हेतु विविध पुस्तकालयों से पुस्तकें/संदर्भित ग्रंथ/पत्र-पत्रिकाएँ प्राप्त कर, विद्वानों/विशेषज्ञों के विचारों की पुष्टि देकर अपने मंतव्य को प्रस्तुत किया जाना चाहिए तब ही सार्थक व समाजोपयोगी अनुसंधान किया जा सकता है।

नवयुवक सभा ने किया डॉक्टरों का सम्मान

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

डॉक्टर्स डे पर नवयुवक सभा के शिक्षक-शिक्षकाओं एवं पदाधिकारियों ने संतनगर के चिकित्सकों का सम्मान किया। शॉल एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर रोगियों की सेवा करने के लिए आभार जताया। इस अवसर पर सभा के संरक्षक वासदेव वाधवानी, अध्यक्ष विष्णु गेहानी, सचिव सुरेश राजपाल, पुरषोत्तम टिलवानी, प्रकाश टहिल्यानी, एटी शाहानी स्कूल की प्राचार्या ज्योति चौहान, सिंधु माध्यमिक शाला की प्रधानाध्यापिका प्रिया धर्मदासानी व अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं व छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

मेट्रो एंकर सड़कें हुई खराब, निचली बस्तियों में पानी भरा

तेज बारिश से बैरागढ़ की ज्यादातर सड़कें जलमग्न

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

गांधीनगर, बैरागढ़ और उसके ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव से अव्यवस्था का आलम है। निचली बस्तियों में घरों में पानी घुसने लगा है, जिसके चलते लोगों को कई तरीके की परेशानियों का सामना करना पड़ा। बरसात से पहले नगर निगम द्वारा किए गए नालों की नाल साफ-सफाई के दावों की पोल खुलने लगी है। बैरागढ़ के ग्रामीण क्षेत्र और वार्ड नंबर तीन में तेज बारिश से घरों में पानी घुसने की समस्या पैदा हो गई है। कई क्षेत्रों में नाले नालियों में बहने वाला पानी घरों में घुस गया। बैरागढ़ के शहरी इलाकों में भी कुछ देर की बारिश में सड़कें पानी में डूब जाती हैं। पानी की निकासी न होने और सालों पुराने ड्रैनेज सिस्टम से जलजमाव के हालात बन रहे हैं।

सड़कें भी हुईं बदहाल

बैरागढ़ के सीआरपी मोहल्ला, सैनिक कॉलोनी, पीएनबी बैंक रोड, आरा मशीन रोड, सराफा मार्केट सहित कई बड़ी-बड़ी सड़कों पर गड्ढे बड़े होने लगे हैं। उनमें पानी रुक रहा है और वाहन चालक एक्सीडेंट का शिकार हो रहे हैं। उपनगर की कई निचली बस्तियों में हालात बद से बदत्तर होने लगे हैं।

नगर निगम के दावे हुए खोखले: हाल ही में नगर निगम ने उपनगर के नाले नालियों की साफ सफाई के दावे किए थे लेकिन यह दावे सब खोखले साबित हो गए। नाले नालियों में उफान आने के कारण उनमें निकलने वाली गंदगी और पानी घरों में घुसा और इसलिए ही रात को लोग परेशान होते हुए नजर आए।

मुख्यमंत्री निवास पर देर रात भाजपा विधायक दल की बैठक

विपक्ष के हंगामे से भाजपा संगठन में बेचैनी विधायकों को पढ़ाया मुंहतोड़ जवाब का पाठ

भोपाल, दोपहर मेट्रो। विधानसभा में विपक्ष के हंगामे ने सत्ता व संगठन में बैचेनी बढ़ा दी है। नौबत यहां तक आ गई कि संगठन को अपने विधायकों को यह पाठ पढ़ाना पड़ रहा है कि जब भी विपक्ष हंगामा करें तब उन्हें मुंह तोड़ जवाब दें। यह सब संगठित रूप से करें, ताकि विपक्ष को अवसर न मिल सकें। सूत्रों के मुताबिक बुधवार शाम को मुख्यमंत्री निवास पर बुलाई भाजपा विधायक दल की बैठक में विपक्ष पर मुख्य चर्चा हुई। यह भी तय किया गया कि कैसे विपक्ष से मुकाबला किया जाए।

बताया जाता है कि भाजपा विधायक दल की बैठक में दूसरे विषयों पर भी चर्चा हुई। जिसमें अमरवाड़ा विधानसभा में उप चुनाव में सक्रियता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। संगठन की ओर से कहा गया कि विधायक अपने–अपने संपर्कों का उपयोग कर योगदान दें। सरकार की योजनाओं को जमीन तक पहुंचाएं। खासकर छिंदवाड़ा की सीमा से लगे जिलों की विधानसभा के विधायकों को काम करने की नसीहत दी है। सूत्रों के मुताबिक संगठन ने 7 जुलाई को भोपाल में प्रस्तावित प्रदेश भाजपा कार्य समिति की बैठक को लेकर भी चर्चा की।

नर्सिंग घोटाले ने विपक्ष को दी ताकत

प्रदेश में सामने आए नर्सिंग घोटाले ने विपक्ष को ताकत दी है। विधानसभा में पिछले 3 दिनों से मंत्री विश्वास सारंग के खिलाफ समूचा विपक्ष मुखर है। इस्तीफे की मांग को लेकर अड़ा है। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा जब बजट पेश कर रहे थे तब भी विपक्ष ने जमकर हंगामा किया, विश्वास का इस्तीफा मांगा, नारेबाजी की। सूत्रों के मुताबिक इस मुद्दे पर भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने विधायक दल की बैठक में इस पर गंभीर चर्चा की है। शिवप्रकाश ने विधायकों से अपनी विधानसभा को आदर्श बनाने, इस काम में कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों का सहयोग लेनें की बात भी कही तो वहीं मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि विधायक विजन डॉक्यूमेंट बनाएं, शासन की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाएं। जबकि प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हमने लगभग 2200 ऐसे बूथों पर जीत दर्ज की है, जिन पर पहले पराजय का सामना करना पड़ा था। इसलिए सभी विधायक अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित कर बूथ कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करें।

4 सरकारी, 18 स्वायत्तशासी कॉलेजों में शुरू होगा कोर्स

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश के मप्र के चार सरकारी और 18 स्वायत्तशासी कालेजों में बीएससी एग्रीकल्चर का पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इसमें राजधानी का शासकीय सरोजिनी नायडू कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में इस सत्र से बीएससी एग्रीकल्चर का पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम के लिए कॉलेज अपने ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों से अनुबंध करेंगे और उनके खेतों में विद्यार्थियों से प्रैक्टिकल भी करेंगे। भोपाल में चार कालेज में उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आईईएचई), एमएलबी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सरोजिनी नायडू कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय और गीतांजलि कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय शामिल हैं।

ई रिक्शा चालकों के लिये स्टैंड निर्धारित करने की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो। जय हिंद सेना ने ई रिक्शा ऑटो चालकों की पांच सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को ज्ञापन सौंपा। सेना ने कहा कि नगर निगम भोपाल द्वारा ई रिक्शा चालकों का स्टैंड निर्धारित कराया जाना चाहिये। ई रिक्शा चालकों को परमिट देने, ई रिक्शा चालकों को वर्दी व बीमा सुविधा की मांग भी की गई।

उपवास केंद्र खुलवाने के लिए डिप्टी सीएम से मिले कई किसान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सीहोर जिले से दर्जनों गांव के किसान भोपाल पहुंचकर किसान व समाजसेवी एमएस मेवाड़ा के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के बंगले पर पहुंचकर डांडिया नृत्य कर स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं को लेकर गांव चंदेरी में उपवास केंद्र खुलवाने की ग्रामीण किसानों ने डिप्टी सीएम से मांग रखी और डांडिया नत्य कर किसानों ने लकड़ी का हल देकर किसानों ने उपमुख्यमंत्री का सम्मान किया स्वास्थ्य संबंधित गांव में समस्या से अवगत कराया इस मौके पर डिप्टी सीएम ने कहा की जो भी किसानों की समस्या होगी वह हल की जाएगी। स्वास्थ्य समस्या जो भी संबंधित बीमारी से संबंधित समस्याएं होगी तत्काल गांव में शीघ्र हल की जावेगी। इस मौके पर ग्राम चंदेरी सहित ग्राम हीरापुर हर सिंह परमार गुलाब सिंह सवाई सिंह कालूराम रामेश्वर ग्राम राम खेड़ी के मोतीलाल मेवाड़ा राम सिंह ग्राम देवरिया के परसोत्तम मेवाड़ा बंटी मेवाड़ा ग्राम क्लास खुर्द से रमेश चंद वर्मा ग्राम मानपुर से कमल सिंह कुशवाह ऐसे दर्जनों गांव के किसानों ने अपनी-अपनी समस्याएं भोपाल पहुंच कर रखीं।

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में आदर्श अवधारणा पर बैठक

उच्च शिक्षा प्राध्यापकों के लिए प्रशिक्षण नीति तैयार करने की कवायद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार की मंत्रालय में उच्च शिक्षा विभाग की पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस योजनांतर्गत चयनित 55 महाविद्यालयों में चरणबद्ध रूप से अधोसंरचना विकास की आदर्श अवधारणा संबंधी बैठक हुई। मंत्री परमार ने पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंसष् में अध्ययन कक्ष, प्रयोगशाला, फैकल्टी, लाइब्रेरी, रिसर्च लैब, स्किल डेवलपमेंट लैब, लैंग्वेज लैब, हॉस्टल्स, ऑडिटोरियम, कैंटीन, हेल्थ सुविधाएं, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, फायर सेफ्टी प्रावधान, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग एवं बाउंड्री वॉल आदि समस्त विषयों पर बिंदुवार चर्चा कर गुणवत्तापूर्ण अधोसंरचना विकास के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने प्राध्यापकों के उत्तम प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों के समायोजन के साथ प्राध्यापक प्रशिक्षण नीति बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि ऑफलाइन प्रशिक्षण में भारतीयता के भाव अनुरूप परिवेश आधारित प्रशिक्षण पद्धति विकसित की जाए। प्रदेश के समस्त महाविद्यालयों में ष्विद्यावनष् विकसित किए जाने के लिए विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, जनभागीदारी समिति अध्यक्षों सहित समाज की सहभागिता सुनिश्चित करने को भी कहा।

स्वास्थ्य सेवाओं में आयुष को सम्मिलित किया जाए: परमार ने कहा कि पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में चयनित महाविद्यालयों में प्रत्येक संभाग स्तर एक महाविद्यालय को आदर्श संस्थान के रूप में प्राथमिकता में लेकर विकसित किया जाए, जिसमें यूजीसी के समस्त मापदंडों का अनुपालन भी हो। इससे अभिप्रेरणा स्वरूप अन्य महाविद्यालयों के अधोसंरचना विकास को गति और दिशा मिलेगी। परमार ने कहा कि संस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं में आयुष चिकित्सा पद्धति को भी सम्मिलित किया जाए।

वार्षिक पत्रिका का विमोचन: परमार ने उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल की वार्षिक पत्रिका एक्सल एसेंस का विमोचन भी किया। इस बैठक में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा के सी गुप्ता एवं आयुक्त उच्च शिक्षा निशांत बरबै, सहित विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा- बजट में टैक्स नहीं, आवंटन बढ़ा

पटवारी बोले वादा नहीं निभाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मप्र के बजट पर कहा कि पहली बार 3 लाख 60 हजार करोड़ से अधिक की राशि का बजट प्रस्तुत किया गया है। बजट की यह विशेषता है कि इसमें किसी प्रकार का कोई टैक्स नहीं लगाया गया है। किसी भी विभाग की अपेक्षित राशि को कम नहीं किया गया, अपितु सभी विभागों के आवंटन में वृद्धि की गई है। यादव ने कहा, 'विकसित भारत-विकसित मध्यप्रदेश' की थीम पर प्रस्तुत बजट में प्रधानमंत्री की अपेक्षा अनुसार जीडीपी की ग्रोथ को सुनिश्चित करते हुए आगामी पांच वर्षों में बजट का आकार दोगुना किया जाएगा।

वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बजट पर कहा कि मप्र सरकार के दो बजट है। एक बजट जो सरकार को जनता को बताना है। यह दूसरा बजट आया है, पिछले छह महीने ने सरकार ने अपने संकल्प पत्र के वादे अनुसार कोई काम नहीं किया। मप्र में तीन सी की सरकार है, जिसने कर्ज, क्राइम और करप्शन से अपना नाता जोड़ा है और एक बजट है व्यापमं, नर्सिंग, परिवहन, माईनिंग, पटवारी, ट्रांसफर, आबकारी, मास्टर प्लान एवं मेट्रो जिसमें कैसे पैसे लगायें और कैसे करप्शन करे। लूट के पैसे में कैसे हिस्सा बने। दूसरी तरफ प्रदेश सरकार 3 लाख 79 हजार करोड़ के कर्ज में है, जिसमें 45 हजार करोड़ हर वर्ष ब्याज की देनदारियां देनी होती हैं।

मेट्रो एंकर सीएम ने पेसा एक्ट के क्रियान्वयन और संचालित गतिविधियों की जानकारी ली

जनजातीय बहुल क्षेत्रों में रोजगार के नवीन क्षेत्र में संभावनाओं को तलाशें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के जिन जिलों में पेसा एक्ट लागू है, वहां स्थानीय जनजातीय को रोजगार के नवीन क्षेत्रों से जोड़ा जाए। जनजातीय बहुल पंचायतों द्वारा जनजातीय भाई-बहनों को रोजगार के साधन उपलब्ध करवाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कार्य की संभावनाओं को तलाशे, उपयुक्त कार्ययोजना बनाकर उन्हें धरातल पर उतारने का कार्य सुनिश्चित करें। इसमें कुटीर एवं ग्राम उद्योग, पशुपालन, मशरूम, लाख, शहद के उत्पादन और विक्रय, रेशम कीट पालन और वस्त्र निर्माण आदि शामिल है। उन्होंने कहा कि जनजातीय बहुल पंचायतों को ग्रामीण परिवहन व्यवस्था का दायित्व दिये जाने की संभावनाओं का अध्ययन कर प्रतिवेदन तैयार करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में राज्य में पेसा एक्ट के क्रियान्वयन और संचालित गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि जनजातीय समाज के युवाओं को ग्रामीण परिवहन सेवा का दायित्व देने के संबंध में अध्ययन कर प्रतिवेदन तैयार किया जाए। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल एवं पंचायत एवं विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह के अलावा मुख्य सचिव वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास मलय कुमार श्रीवास्तव, अपर मुख्य सचिव वन अशोक वर्णवाल, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ला और संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय वर्ग की बटालियन बनाने के संबंध में भी विचार किया जाए। बैठक में बताया गया कि महाराष्ट्र में पौध-रोपण से जनजातीय वर्ग को रोजगार मूलक कार्यों से जोड़ा गया है। पर्यटन विकास, गौ-शाला संचालन संबंधी कार्यों से भी जनजाति बहुल पंचायतों को संबद्ध किया जा सकता है। बैठक में विभिन्न जिलों में जनजातीय वर्ग द्वारा आपसी सहमति से विभिन्न प्रकरणों के निवारण की उपलब्धियों की जानकारी दी गई। प्रदेश में पेसा एक्ट में शांति एवं विवाद निवारण समितियां कार्य कर रही हैं। जो सभी के लिये संतोषजनक समाधान पूर्ण कार्रवाई कर रही है। बैठक में यह भी जानकारी दी गई की केंद्र सरकार द्वारा साहूकारी प्रथा पर नियंत्रण की दृष्टि से विजन डाक्यूमेंट तैयार करने के लिए मध्य प्रदेश को नोडल राज्य बनाया गया है। पेसा एक्ट मध्यप्रदेश के 20 जिलों के 88 विकास खंडों में लागू है। इसके क्षेत्र में 5133 ग्राम पंचायतें और 11 हजार 596 ग्राम शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि जनजातीय वर्ग के शहरों में निवासरत लोगों को जाति प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में आने वाली कठिनाईयों का विभागीय स्तर पर समुचित निराकरण कराया जायें। बैठक में जानकारी दी गई कि नर्मदापुरम और बैतूल जिलों में जनजाति समाज के लोगों को कुटीर उद्योगों से जोड़ने के प्रयास बढ़ाए गए हैं तथा ग्राम सभाओं द्वारा वृहद स्तर पर तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य किया जा रहा है। बैठक में बताया गया कि पेसा एक्ट के अंतर्गत ग्राम सभा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से अनेक कार्य हुए हैं। इस कार्यक्रम में मंडला जिले की ग्राम पंचायत हिरदे नगर की ग्राम सभा द्वारा 62 लाख 38 हजार की आय प्राप्त हुई है। इस राशि से ग्राम विकास के विभिन्न कार्य संपन्न किए जाएंगे। अलीराजपुर जिले में ग्राम सभा कुडवात में नए हाट के प्रबंधन के लिए ग्राम सभा में प्रस्ताव मंजूर कर पारित किया गया।

जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल ने वार्षिक प्रतिवेदन दिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल बरगांव-शहपुरा, के प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य एवं अध्यक्ष, निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग भोपाल प्रो. भरत शरण सिंह तथा जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल के कोषाध्यक्ष ब्रिगेडियर अवधेंद्र प्रताप सिंह ने मप्र के राज्यपाल से भेंट कर जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल प्रकल्प में चल रही गतिविधियों पर चर्चा की एवं जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल का वार्षिक प्रतिवेदन भेंट किया।

संपादकीय

पारिस्थितिक संतुलन का नया अध्याय

अब भारत जीव-जंतुओं की विभिन्न प्रजातियों का दस्तावेजीकरण करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। इसमें एक लाख चार हजार इकसठ प्रजातियों को शामिल किया गया है। यह अपने आप में अनोखी मगर अनुकरणीय बात है। दरअसल पिछले कुछ दशक से पारिस्थितिकी संतुलन के संदर्भ में समूचे जीव-जगत के संरक्षण पर खूब बातें होती रही हैं। कुछ हल्कों में इस पर फिक्र करना भी एक शगल सा बन चला है लेकिन इस तरह की बातों का कोई ठोस हासिल तभी है, जब जमीनी स्तर पर व्यावहारिक कदम उठाए जाएं और उसी के मुताबिक नीतिगत स्तर पर नई पहल होती रहें। मसलन, धरती की आबोहवा बिगड़ने की चुनौतियों के समांतर जैव-विविधता और उसके संरक्षण के मसले पर अगर ध्यान दिया जाए, तो दुनिया में पारिस्थितिकी से जुड़ी मुश्किलों को भी कुछ कम किया जा सकता है। लिहाजा अब यह सूची जीव प्रजातियों पर सबसे पहला व्यापक दस्तावेज बन गई है। इसका सबसे अहम संदेश यही गया है कि दुनिया भर में पर्यावरण में हो रहे बदलावों और नित नई खड़ी हो रही चुनौतियों के बीच भारत प्रकृति संरक्षण को लेकर केवल चिंता नहीं जताता, बल्कि वास्तविक सरोकार भी रखता है। जीव-जंतुओं की इस सूची में स्थानीय और संकटग्रस्त प्रजातियों के साथ ही सूचीबद्ध प्रजातियों को भी शामिल किया गया है। जलवायु परिवर्तन, मानवीय गतिविधियों और जीवनशैली की वजह से दुनिया भर में कई जीवों का अस्तित्व खत्म हो गया या फिर वे विलुप्त होने के कगार पर हैं। जबकि धरती पर जीवधारियों का होना या जैव-विविधता पारिस्थितिकी संतुलन के लिहाज से अनिवार्य है। किसी भी जीव के विलुप्त होने का सीधा असर पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ता है। इस तरह की सूची बनाने का फायदा यह होगा कि इसके जरिए जीव-जंतुओं का सर्वेक्षण करके उनके लिए भरोसेमंद संरक्षण का इंतजाम और पर्यावरण से सबंधित सूचनाएं तैयार करने में सहायता मिलेगी। इसी तरह पक्षियों की संख्या में आ रहे बदलाव, उन पर स्थानीय, क्षेत्रीय और महाद्वीपीय स्तर पर मौसम और भूपारिस्थितिकी के असर का आकलन भी किया जा सकता है। उम्मीद है कि इस दस्तावेजीकरण के जरिए वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और पर्यावरणविदों को सभी जीवों की सूची के वर्गीकरण के साथ-साथ इसके आधार पर प्रकृति के संरक्षण के लिए नीतियां बनाने की दिशा में ठोस पहल करने में मदद मिलेगी। हालांकि बीते कुछ साल में जीवजंतुओं को संरक्षित करने का भाव बढा है। खासतौर पर बाघों की गिरती संख्या के बाद देश में बाघों को बचाने का जो अभियान चला था, वह बेहद प्रभावी था और देश में बाघों की संख्या आज बहुत प्रभावी हो गई है। माना जा सकता है कि बाघों की बेहद कम संख्या के बाद सरकारें भी हरकत में आई थी और समाज भी चिंतित हुआ था। लिहाजा एक अभियान की तरह इस मोर्चे पर काम किया गया। लेकिन प्रकृति कई तरह के मौसमों और परिस्थितियों के बीच अपना संतुलन कायम करती रहती है तथा वन्यजीव इसकी प्रमुख कड़ी होते हैं। सभी तरह के जीव जंतुओं की मौजूदगी से ही जंगल और नदियों की सेहत ठीक रहती है। इनकी मौजूदगी से ही पारिस्थकीय संतुलन कायम होता है। इसलिये जीव जंतओं की सभी प्रजातियों का दस्तावेजीकरण एक ऐसी पहल बन सकता है, कि आने वाली पीढियां इसके सहारे अपने आसपास प्रकृति व इससे जुडे सभी पहलुओं का समृद्द संसार रच सकती है।

सब्र का रास्ता थोड़ा
मुश्किल जरूर होता है,
लेकिन सब्र की मंजिल बहुत
खूबसूरत होती है!

आज का इतिहास

- 1897 इतालवी वैज्ञानिक गुगलेल्मो मारकोनी को लंदन में रेडियो का पेटेंट मिला
- 1911 संयुक्त राज्य अमेरिका ने कोलंबिया के साथ अपने राजनयिक संबंधों को समाप्त करके वहां के वाणिज्य दूतावास को भी बंद कर दिया।
- 1917 ईस्ट सेंट लुइस, इलिनोइस के सफेद निवासियों ने शहर के मोहल्लों को जला दिया और काले निवासियों को गोली मार दी क्योंकि वे चोरी से बच गए
- 1937 एविएशन के अग्रणी एमेलिया इयरहार्ट और नाविक फ्रेड नोनान्डिसिस ने एसाइक्यूमिनेविजनल फ्लाइट बनाने के प्रयास के दौरान प्रशांत महासागर के ऊपर से उड़ान भरी।
- 1950 मानसिक रूप से बीमार बौद्ध भिक्षु ने किंकाकू-जी में गोल्डन पैवेलियन में आग लगा दी, जो अब जापान में सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है।
- 1962 पहला वॉलमार्ट स्टोर, जो अब दुनिया का सबसे बड़ा रिटेलर है, रोजर्स, अर्कांसस, यूएस में खोला गया।
- 1962 पहला वॉलमार्ट स्टोर कारोबार के लिए रोजर, अर्कसास में खोला
- 1964 अमेरिकी राष्ट्रपति लिंडन बी। जॉनसन ने सिविल राइट्स एक्टिन्टो कानून (चित्र) पर हस्ताक्षर किए, स्कूलों में कार्यस्थल पर गैरकानूनी अलगाव।
- 1976 वियतनाम युद्ध की समाप्ति के एक साल से अधिक समय बाद, उत्तर और दक्षिण वियतनाम आधिकारिक तौर पर साम्यवादी शासन के तहत एकजुट होकर वियतनाम के सोशलिस्ट गणराज्य का गठन किया।

निशाना

रहे इतना ध्यान !

- कृष्णेन्द्र राय

है सबको अधिकार।
दें अपना बयान।।
पर लगे ना ठेस।
रहे इतना ध्यान।।
है इतिहास गवाह।
बढ़ता है विवाद।।
कर देते हैं ज़ाहिर।
अपना पर अवसाद।।
बहस सकारात्मक तो।
है बढ़ता संवाद।।
उठती हैं जो बातें।
हैं रहतीं वो याद।।
धीरे-धीरे करके।
है लाना बदलाव।।
मिलेगा मुकाम और।
पहुंचेंगे पड़ाव।।

आखिर घटनाओं से सबक क्यों नहीं ले पा रहे हम?

■ विनोद पाठक

किसी धार्मिक आयोजन में भगदड़ मची हो और 100 से अधिक लोगों की जान चली गई हो, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। ऐसी घटनाएं भविष्य में नहीं होंगी, इसकी भी कोई गारंटी नहीं है, क्योंकि जब भी कोई दुर्घटना होती है, उससे न तो शासन-प्रशासन-पुलिस कोई सबक लेती है और न ही आयोजक। यदि कोई सबक लेता तो हाथरस जैसा हादसा नहीं होता। हाथरस हादसे पर भी सरकार मुआवजा घोषित कर जांच बिठा देगी और अपने कर्तव्यों से इतिश्री कर लेगी। पूर्व की भांति जांच की एक और रिपोर्ट सरकारी फाइलों में रख दी जाएगी।प्रश्न यह नहीं है कि हाथरस में किसका सत्संग था? देशभर में समय-समय पर ऐसे बड़े धार्मिक आयोजन होते रहते हैं, जिनमें हजारों-लाखों की भीड़ जुटना आम बात है। ऐसा नहीं है कि किसी एक धर्म के अनुयायी ही ऐसे आयोजनों में पहुंचते हैं। सभी धर्मों में ऐसे आयोजन हो रहे हैं। दिन-प्रतिनिधि धार्मिक आयोजन और उनमें भीड़ भी बढ़ती जा रही है।जब भी कोई बड़ा आयोजन होता है तो स्थानीय पुलिस के कुछ बंदोबस्तों का भी प्रावधान है। आयोजनकर्ता भी नियमानुसार पुलिस-प्रशासन को जानकारी देते हैं। हाथरस में भोले बाबा के सत्संग की पुलिस को जानकारी नहीं होगी, यह संभव नहीं है। फिर कैसे इतना बड़ा मिसमैनेजमेंट हो गया? यह गंभीर जांच का विषय है। हाथरस हादसे के बाद जैसा कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया है कि सत्संग के बाद वहां पहुंचे भक्त भोले बाबा के काफिले के पीछे उनकी चरण रज लेने के लिए दौड़ रहे थे। भीड़ बेकाबू हो रही थी। आयोजकों ने पानी की बौछार कर भक्तों को हाटने का प्रयास किया, जिसका उल्टा असर हुआ। बेकाबू भक्त एक-दूसरे को कुचलते हुए भागने लगे। भगदड़ में 100 से ज्यादा भक्तों की जान चली गई। 150 से अधिक घायल हो गए।

विडंबना यह है कि इतना बड़ा आयोजन होने के बावजूद वहां पर किसी तरह के राहत और बचाव के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं थे। हद तो यह हुई, जिन टैंपो में भर-भर के भक्त पहुंचे थे, उन्हीं में डालकर लाशों और घायलों को अस्पताल तक ले जाया गया।नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2000 से 2013 तक देश में भगदड़ की घटनाओं में 2000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। विगत 11 साल में तो यह आंकड़ा कहीं ऊपर जा चुका है। वर्ष 2013 में आई इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिजास्टर रिस्क रिडक्शन की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 79 प्रतिशत भगदड़ धार्मिक सभाओं और तीर्थ यात्राओं के कारण होती हैं। आमतौर पर प्रति वर्गमीटर में 5 से अधिक लोग नहीं होने चाहिए, लेकिन हमारे यहां धार्मिक आयोजनों में प्रति वर्गमीटर 10 से अधिक लोग जुट जाते हैं। हाथरस में भी ऐसा ही हुआ। इतनी अधिक भीड़ जुटने के बावजूद निकास द्वार केवल एक था और वो भी काफी छोटा था। आजादी के 77 वर्ष बाद भी आपदा प्रबंधन को लेकर देश आज भी बहुत पीछे है। हाथरस हादसे ने एक बार सरकारी व्यवस्थाओं की पोल खोली है। हद तो यह है कि जब घायलों को लेकर लोग अस्पताल में पहुंचे तो वहां भी उचित प्रबंध नहीं था। डॉक्टर नदारद थे। शवों को अस्पतालों में फर्श पर डाल दिया गया। घायल भी वहीं पटक दिए गए। जिस समय हाथरस हादसे की खबर आई, उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चाओं का जवाब दे रहे थे। उन्होंने अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। कुछ देर बाद मुआवजा राशि का भी ऐलान किया। अब प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी है कि देश में एक और हाथरस न हो, इसके लिए उचित कदम उठाए जाएं। हाथरस से लेकर लखनऊ तक पूरा सरकारी तंत्र राहत और बचाव कार्यों में जुट गया, लेकिन इतना भर करने से काम नहीं चलने वाला। हाथरस जैसे हादसों की पुनरावृत्ति रुकनी चाहिए। धार्मिक आयोजन करने से शासन-प्रशासन किसी को रोक नहीं सकता है, लेकिन नियम बनाकर उनका सख्ती से पालन कराना तो सरकार की जिम्मेदारी है, ताकि ऐसे हादसों से बचा जा सके। आयोजकों को भी ऐसे हादसों को गंभीरता से लेना चाहिए। आने वाले भक्तों का ख्याल रखना उनकी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि हमने पूर्व के ऐसे हादसों से सबक लिया होता तो ईश्वर का नाम लेने आए 100 से अधिक लोग अपनी जान न गंवाते। हमारे लिए हाथरस केवल एक घटना नहीं, एक सबक होना चाहिए। **- साभार**

विगत 11 साल में तो यह आंकड़ा कहीं ऊपर जा चुका है। वर्ष 2013 में आई इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिजास्टर रिस्क रिडक्शन की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 79 प्रतिशत भगदड़ धार्मिक सभाओं और तीर्थ यात्राओं के कारण होती हैं। आमतौर पर प्रति वर्गमीटर में 5 से अधिक लोग नहीं होने चाहिए, लेकिन हमारे यहां धार्मिक आयोजनों में प्रति वर्गमीटर 10 से अधिक लोग जुट जाते हैं। हाथरस में भी ऐसा ही हुआ...

क्या नालंदा महाविहार को बख्तियार खिलजी ने नष्ट किया था?

■ राम पुनियानी

नालंदा विश्वविद्यालय के नए कैंपस का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 19 जून को किया. इस मौके पर म्यांमार, श्रीलंका, वियतनाम, जापान और कोरिया के राजदूतों सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे. इन देशों में से अधिकांश में बौद्ध धर्म सम्राट अशोक द्वारा भेजे गए प्रचारकों के रिये फैला था. नालंदा को पुनर्जीवित कर उसे एक वैश्विक विश्वविद्यालय का स्वरुप देने का प्रस्ताव सबसे पहले 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने किया था. बाद में बिहार विधानसभा और यूपीए सरकार ने इसका अनुमोदन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाषण देते हुए, मोदी ने कहा कि बारहवीं सदी में विदेशी हमलावरों ने इस विश्वविद्यालय को जला कर राख कर दिया था. वे इसी आम धारणा को दुहरा रहे थे कि महमूद गौरी के सिपहसालार बख्तियार खिलजी ने नालंदा विश्वविद्यालय को नष्ट किया था। यह धारणा उसी सामाजिक सोच का हिस्सा है जो मानती है कि मुस्लिम आक्रांताओं ने हिन्दू मंदिरों को नष्ट किया और तलवार की नोंक पर लोगों को इस्लाम अपनाने पर मजबूर किया. इस सोच की नींव ब्रिटिश काल में पड़ी थी जब अंग्रेजों ने देश के इतिहास का साम्प्रदायिक नजरिए से लेखन किया. अंग्रेजों के बाद उनकी इस विरासत को आगे बढ़ाने का काम हिन्दू और मुस्लिम साम्प्रदायिक ताकतों ने किया. मुस्लिम लीग द्वारा हिन्दुओं के बारे में फैलाए गए मिथकों के कारण पाकिस्तान में हिन्दुओं का जीना मुहाल हो गया वहीं आरएसएस ने भारत में मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने का काम बखूबी अंजाम दिया. यहां तक कि सरदार वल्लभ भाई पटेल को आरएसएस के बारे में यह लिखना पड़ा कि उनके सभी भाषण साम्प्रदायिकता से भरे हुए थे. हिन्दुओं को उत्साहित करने और उनकी सुरक्षा के लिए उन्हें लामबंद करने के लिए यह जहर फैलाना जरूरी नहीं था. इस जहर का अंतिम नतीजा यह हुआ कि देश को गांधीजी के अनमोल जीवन की बलि भोगनी पड़ी.

मोदी का यह कहना कि नालंदा को विदेशी हमलावरों ने जलाकर नष्ट किया था झूठी बातों की उसी श्रृंखला का हिस्सा है जो मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने के लिए बरसों से इस्तेमाल की जा रही हैं। नालंदा विश्वविद्यालय एक अद्भुत शिक्षण संस्थान था। बिहार के राजगीर में एक बड़े क्षेत्र में फैले इस विश्वविद्यालय का निर्माण गुप्त वंश के सम्राटों ने छठवीं सदी में किया था. इस बौद्ध शैक्षणिक संस्थान में, जहां सभी विद्यार्थी वहीं रहकर अध्ययन करते थे, मुख्यतः बौद्ध दर्शन पढ़ाया जाता था. इसके अतिरिक्त वहां गणित, तर्कशास्त्र, बह्मणवादी हिन्दू धर्म के ग्रंथ एवं स्वास्थ्य विज्ञान भी पढ़ाए जाते थे. यह विश्वविद्यालय अपने खुलेपन, बेलाग संवादों और तार्किकता को ब?ावा देने के लिए जाना जाता था. इसमें प?ने के लिए दूर-दूर से विद्यार्थी आया करते थे। इस विश्वविद्यालय का खर्च मौर्य वंश के राजाओं के खजाने से मिलने वाले धन से चलता था. बाद में पाल और सेन राजवंशों का शासन आने के बाद इस विश्वविद्यालय को मिलने वाली मदद कम हो गई और इसकी जगह अन्य विश्वविद्यालयों जैसे ओदंतपुरी और विक्रमशिला को राजकीय सहायता मिलने लगी. यहीं से नालंदा का पतन शुरू हुआ।

नालंदा विश्वविद्यालय का पुस्तकालय, जिसमें दसियों लाख किताबें, पांडुलिपियां और अन्य दुर्लभ वस्तुएं थीं, को आखिर किसने आग लगाई थी? इसका दोष खिलजी पर म?ा जाता रहा है, विशेषकर ब्रिटिश राज के बाद से. मगर ऐसा एक भी तत्कालीन स्त्रोत नहीं है, जो इसके लिए खिलजी को जिम्मेदार ठहराता हो. खिलजी का मुख्य और एकमात्र लक्ष्य था लूटपाट. अयोध्या से बंगाल जाते हुए उसने किला-ए-बिहार पर यह सोचकर हमला किया कि उसमें दौलत छिपी होगी. रास्ते में उसने लूटमार की और लोगों को मारा. नालंदा उसके रास्ते में नहीं था, बल्कि जिस रास्ते से वह गुजरा, नालंदा उससे काफी दूर था. और वैसे भी उसके पास किसी विश्वविद्यालय पर हमला करने का कोई कारण नहीं था. उस समय के किसी स्त्रोत में यह नहीं कहा गया है कि खिलजी नालंदा आया था. मिनहाज-ए-सिराज द्वारा लिखी गई पुस्तक 'तबकात-ए-नासिरी' में इस तरह की कोई बात नहीं कही गई है. उस समय दो तिब्बती अध्येता धर्मस्वामिन और सुंपा नालंदा में भारत और विशेषकर यहां बौद्ध धर्म के इतिहास का अध्ययन कर रहे थे. मगर उन्होंने भी अपनी किताबों में यह नहीं लिखा है कि खिलजी नालंदा आया या उसने नालंदा को आग के हवाले किया. एक अन्य बौद्ध अध्येता तारानाथ, जो तिब्बत से था, भी अपनी पुस्तक में इस तरह की चर्चा नहीं करता। यह दिलचस्प है कि 'आक्रांताओं' ने अजंता, एलोरा और सांची स्तूप सहित किसी महत्वपूर्ण बौद्ध ढांचे या संस्थान को नुकसान नहीं पहुंचाया. इतिहासविद् यदुनाथ सरकार और आर. सी. मजूमदार भी इससे सहमत नहीं हैं कि नालंदा को खिलजी ने नष्ट किया था. तो फिर यह विश्वविद्यालय किस तरह नष्ट हुआ और क्यों और कैसे अपना महत्व खो बैठा? इस बारे में कई कहानियां प्रचलित हैं जिनमें से एक यह है कि उसे खिलजी ने नष्ट किया था। प्राचीन भारतीय इतिहास के अप्रतिम अध्येता प्रोफेसर डी. एन. झा अपने लेखों के संकलन ('अगेंस्ट द ग्रेन', मनोहर, 2020) में प्रकाशित एक लेख 'रेसपांडिग टू ए कम्युनलिस्ट' में तिब्बती भिक्षु तारानाथ की भारत में बौद्ध धर्म के इतिहास पर लिखी पुस्तक के प्रासंगिक हिस्सों को उद्धत करते हुए लिखते हैं- नालेन्द्र (नालंदा) में काकुटसिद्ध द्वारा बनाए गए मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान शैतान शमनों ने तीर्थिका भिक्षुकों (ब्राम्हणों) पर गंदगी फैंकी. इससे नाराज होकर उनमें से एक आजीविका का इंतजाम करने चला गया और दूसरे ने एक गहरे गड्ढे में बैठकर सूर्य साधना शुरू कर दी...उसने एक यज्ञ किया और पवित्र राख चारों ओर फैला दी जिससे अचानक आग लग गई.

डीआर पाटिल अपनी पुस्तक 'द एंटीक्केरियन रेमनेंट्स इन बिहार' में 'हिस्ट्री ऑफ इंडियन लाजिक' को उद्धत करते हुए लिखते हैं कि यह घटना ब्राम्हण और बौद्ध भिक्षुकों के बीच हुए विवाद और संघर्ष की ओर इंगित करती है. ब्राम्हण भिक्षुकों ने सूर्यदेव की उपासना के लिए एक यज्ञ किया और उसके बाद यज्ञ वेदी में से निकालकर जलते हुए अंगारे और गर्म राख बौद्ध मंदिरों में फेंक दी जिसके कारण किताबों के विशाल संग्रह ने आग पक? ली। हमें यह ध्यान में रखना होगा कि भारत में उस समय ब्राम्हणवाद का पुनरूत्थान हो रहा था और बौद्ध धर्म पर हमले किए जा रहे थे. सम्राट अशोक के शासनकाल में भारत करीब-करीब बौद्ध देश बन गया था। बौद्ध धर्म समानता में आस्था रखता था जिसके कारण आम लोगों में ब्राम्हणवादी कर्मकांडों में रुचि कम हो गई थी. इससे ब्राह्मण बहुत दुःखी और नाराज थे. अशोक के पौत्र और अंतिम मौर्य सम्राट बृहद्रथ की हत्या उसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने कर दी और उसके बाद उसने बौद्धों का कत्लेआम करवाया। सभी विश्वसनीय स्त्रोतों से हमें यही पता चलता है कि ब्राम्हणों ने बदला लेने के इरादे से नालंदा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में आग लगाई थी. इसके लिए बख्तियार खिलजी को दोषी ठहराने के पीछे दो उद्देश्य हैं - पहला, मुसलमानों से नफरत करने के कारणों की सूची में एक और कारण जोड़ना और दूसरा, इतिहास के उस दौर में ब्राम्हणों और बौद्धों के बीच संघर्ष और बौद्धों की प्रताड़ना को छिपाना। केवल बौद्ध काल के विश्वविद्यालय के प्रांगण में कार्यक्रम आयोजित करने से कुछ होने वाला नहीं है. बौद्ध शैक्षणिक संस्थाओं से हम जो सीख सकते हैं वह है अकादमिक स्वतंत्रता और खुलापन. आज भारत के विश्वविद्यालयों में वातावरण घुटनभरा है और आज्ञाकारिता को सबसे बड़ा गुण मान लिया गया है. ऐसे वातावरण में ज्ञान का विस्तार और विकास नहीं हो सकता. भारत में ब्राह्मणवाद और बौद्ध धर्म के बीच संघर्ष का त्रासद इतिहास हमें यही सिखाता है.

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया. लेखक नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं यह उनके विचार हैं)

म.प्र. टूरिज्म बोर्ड का टूर - डी सतपुड़ा 05 जुलाई से

तीन दिन में छिंदवाड़ा एवं नर्मदापुरम जिले में 200 किलोमीटर का करेंगे भ्रमण

देशभर के 16 साइक्लिस्ट होंगे शामिल, 7 जुलाई को समापन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा सायकिल सफारी के सहयोग से टूर-डी सतपुड़ा 2024 का आयोजन 05 जुलाई से किया जा रहा है। देश एवं विदेश के 16 साइक्लिस्ट छिंदवाड़ा और नर्मदापुरम जिले में 200 किलोमीटर तक का रोमांचक सफर तय करेंगे, जिसका समापन 07 जुलाई को पचमढ़ी में होगा।

छिंदवाड़ा से शुरू होने वाली सफारी में सायक्लिस्ट को प्राकृतिक सौंदर्य के बीच चुनौतीपूर्ण चढ़ाई का सामना करना होगा। सतपुड़ा पर्वत श्रृंखलाओं के मनोरम गंतव्यों के अलावा उन्हें ग्रामीण जीवन व संस्कृति देखने का मौका भी मिलेगा। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति विभाग और प्रबंध संचालक म.प्र. टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि टूर-डी सतपुड़ा के माध्यम से हम लोगों को प्रदेश की ऑफबीट डेस्टिनेशन्स में मौजूद सुंदर परिदृश्य, वन्य जीवन और सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराना चाहते हैं। सायकिल सफारी के आयोजन का उद्देश्य मध्यप्रदेश को एडवेंचर टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने के साथ ही क्षेत्र के समग्र विकास को बढ़ावा देना है। छिंदवाड़ा, पातालकोट, तामिया, पचमढ़ी को साइक्लिंग कम्युनिटी के मध्य लोकप्रिय भी बनाना है, जिससे इस मार्ग पर नियमित रूप से साइक्लिंग गतिविधि संचालित हो सके। टूरिज्म बोर्ड के ज्वॉइंट डायरेक्टर डॉ. एसके श्रीवास्तव ने बताया कि, सभी प्रतिभागी 04 जुलाई को केम्प में पहुंच जाएंगे, जहां उनकी ब्रिफिंग होगी।

यह है प्रमुख उद्देश्य

- रोमांच लवर्स एवं फिटनेस के प्रति उत्साही लोगों को आकर्षित करते हुए, एडवेंचर टूरिज्म के रूप में साइकिलिंग को बढ़ावा देना।
- पर्यावरण के अनुकूल पर्यटन प्रथाओं को प्रोत्साहित करना।
- पर्यटकों को स्थानीय समुदायों के साथ बातचीत करने, उनकी संस्कृति के बारे में जानने और पारंपरिक गतिविधियों में भाग लेने के अवसर प्रदान करना।

यह है रूट, दिनांक-टूरी-रूट

- 05 जुलाई -62 किमी- होटल देव इंटरनेशनल छिंदवाड़ा से पलटवारा से छिंदी से पातालकोट केंप
- 06 जुलाई -54 किमी- लेट्स केम्प पातालकोट से करेयाम से चिमटीपुर से वापस केंप।
- 07 जुलाई -100 किमी - लेट्स केम्प पातालकोट से तामिया, मटकुली से एमपीटी होटल हाईलैंड पचमढ़ी।

सिवनी मालवा में आरटीओ ने की स्कूल बसों की जांच

45 बसों की जांच में एक का काटा 10 हजार का चालान दूसरे का किया फिटनेस निरस्त

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो।

परिवहन आयुक्त, और संभाग आयुक्त तथा कलेक्टर के निर्देशानुसार आरटीओ अधिकारी श्रीमति निशा चौहान के नेतृत्व में आरटीओ जांच दल द्वारा सिवनी मालवा तहसील में स्कूल बसों की जांच की गई कर स्कूली बच्चों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही अपने आस पास के लोगो को भी जागरूक होने के लिए प्रेरित किया गया, विभिन्न स्कूलों की जांच में लगभग 45 बसों की जांच की गई जिसमे एक स्कूल बस में ज्यादा कमी पाए जाने पर फिटनेस निरस्त किया गया, इसके अलावा 2 बसों में प्रदूषण प्रमाण पत्र नही पाए जाने पर 10000 हजार का चालान काटा गया तथा निम्न त्रुटि पाए जाने पर कमी पूर्ति के लिए निर्देशित किया गया। बसों की जांच के बाद आरटीओ अधिकारी के द्वारा स्कूली बच्चो को यातायात नियमों के पालन तथा अपने मौलिक अधिकारों की जानकारी दी गई। आरटीओ अधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले की सभी तहसीलों में आरटीओ जांच दल द्वारा स्कूली बसों की जांच लगातार की जाएगी, जिन स्कूल बसों में कमी पाई जाएगी उन बसों की फिटनेस निरस्त की कार्यवाही के साथ साथ सख्त चालानी कार्यवाही की जाएगी, इसीलिए सभी स्कूल संचालकों को अपने स्कूल की बसों की जांच उपरांत ही बस का संचालन करना चाहिए।

मांग नहीं मानी गई तो करेंगे बड़ा आंदोलन

मूंग तुलाई को लेकर किसान हो रहे परेशान, सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

भारतीय किसान संघ द्वारा मुख्यमंत्री के नाम का एक ज्ञापन नयाब तहसीलदार दीप्ति चौधरी को सौंपन कर अपनी ज्वलत समस्याओ के निराकरण की मांग कि गई जिसमें उल्लेख किया गया है कि 1- शासन द्वारा वर्तमान में ग्रीष्मकालीन मूंग के समर्थन मूल्य पर खरीदी के आदेश जारी किए हैं जिसमें पिछले वर्ष शासन द्वारा प्रति हेक्टेयर 16 कुंटल खरीदी की गई थी वही इस वर्ष इसे हटाकर 8 कुंटल प्रति हेक्टेयर कर दिया गया है जिसे गत वर्ष की तरह 16 कुंटल प्रति हेक्टेयर के अनुसार ही खरीदी की जाए।

- ग्रीष्मकालीन मूंग की खरीदी प्लेट कांटो (बड़े कांटो) से ही की जावे जिस तरह से व्यापारी एवं वेयरहाउस मालिकों की उपज का तौल बड़े कांटे से किया जावे।

-प्रत्येक किसानों से प्रतिदिन 25 कुंटल खरीदी को बढ़ाकर 40 कुंटल प्रतिदिन किया जावे। जिसे किसानों को बार-बार खरीदी केंद्र पर आना ना पड़ेगा। जिससे किसान की अतिरिक्त खर्च में भी बचत होगी।

-मध्य प्रदेश राज्य विपणन संघ द्वारा प्रत्येक सेवा सहकारी समिति की लिमिट 15 लाख की गई है जो वर्षों से चली आ रही है वर्तमान में रासायनिक खादो का मूल्य अधिक होने के कारण पर्याप्त नहीं है इसलिए मुख्य प्रबंधक जिला सहकारी बैंक नर्मदापुरम द्वारा प्रत्येक सेवा सहकारी समिति की लिमिट 50 लाख की जावे जिससे किसानों को पर्याप्त मात्रा में डी ए पी एवं यूरिया व अन्य रासायनिक खाद उपलब्ध हो सके।

- सिवनी मालवा में वर्तमान में डी.एम.ओ. बानापुरा में 5000 टन डीएपी एवं 5000 टन यूरिया तत्काल उपलब्ध कराया जाए जिससे किसानों को पर्याप्त मात्रा में रासायनिक खाद मिल सके।

-वर्तमान में किसानों द्वारा धान रोपण का कार्य किया जा रहा है जिसमें बिजली विभाग द्वारा पर्याप्त मात्रा में बिजली नहीं दी जा रही है किसानों को पर्याप्त 10 घंटे बिजली प्रदान की जाए।

-वर्तमान में बरसात की शुरुआत है यह वृक्षारोपण के लिए सही समय है उधानिक विभाग द्वारा फलदर वृक्ष एवं छायादार वृक्ष एवं अन्य वृक्षों के पौधे लगाने के लिए किसानों एवं आम जन को उपलब्ध कराया जाए अभी तक उधमी विभाग द्वारा ऐसी कोई शुरुआत नहीं की गई है।

भारतीय किसान संघ ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर हमारी मांगे नहीं मानी गई तो भारतीय किसान संघ क्षेत्र के किसानों के साथ उग्र आंदोलन को बाध्य होगा।

ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष देवेन्द्र पटेल, जगदीश पाटिल, शंकर सिंह पटेल गुलाब लौवंशी,अभय गौर, तहसील अध्यक्ष रामेश्वर जाट मंत्री सोनू भदौरिया,नितेश भारद्वाज, हरिओम लौवंशी, अलताप लौवंशी, कन्हैयालाल राजपूत,शरद यादव,राधा कृष्ण मालवीय इन्द्र राजपूत,संतोष लौवंशी, वीरेन्द्र सिंह तोमर,कपिल तोमर, कल्लू भदौरिया,छोटू बुन्दैला, विवेक गौर, विष्णु रघुवंशी, मंगल रघुवंशी,लक्ष्मण पटेल, दीपक रघुवंशी, रामबहादुर पटेल, नीरज रघुवंशी, कैलाश यादव, रामकिशोर जाट,जमना प्रसाद, दयाराम सेजकर किसान उपस्थित थे।

वासुदेव खुरानी अध्यक्ष तो अजय लालवानी बने सचिव

इटारसी। झूलण सेवा समिति की नई कार्यकारिणी घोषित हुई है, जिसमे सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर वासुदेव वासु खुरानी को निर्वाचित किया गया है। कार्यकारिणी में सचिव पद पर अजय लालवानी लाल्स,कोषाध्यक्ष गंगाराम बिजलानी,सहकोषाध्यक्ष नंदलाल देवानी,उपाध्यक्ष सुधीर देवानी पप्पू ,मुकेश खुरानी , लक्की गुरयानी व सहसचिव विशाल गंगलानी , रोहित दरयानी को बनाया गया है। वही प्रवक्ता सौरभ शिवनानी को बनाया गया,उक्त जानकारी झूलण सेवा समिति के संस्थापक सदस्य गोविंद राम गोमा खिलवानी, गोपाल सिधवानी ने प्रदान की।

जीवन में एक पौधा लगाएं और बच्चों की तरह देखभाल करें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

अपने जीवन में एक पौधा जरूर लगायें और उसकी बच्चों के तरह देखभाल करें उक्ताशय का अनुरोध जिला न्यायाधीश / सचिव शशि सिंह ने संयुक?त अनुसूचित जनजाति बालिका छात्रावास में आयोजित वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं विधिक साक्षरता शिविर में व्यक्त किए।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा दिये गये निर्देशों के पालन में वृहद वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं नालसा की आदिवासियों के अधिकारों का संरक्षण और प्रवर्तन के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015 एवं मध्यस्थता के महत्व एवं जाम विषय पर गत दिन नवीन जेल के पीछे स्थित संयुक्त अनुसूचित जनजाति बालिका छात्रावास में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में उपस्थित जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शशि सिंह द्वारा शिविर में उपस्थित बालिकाओं एवं स्टाफ को नालसा की आदिवासियों के अधिकारों का संरक्षण और प्रवर्तन के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015 मध्यस्थता के लाभ एवं महत्व के विषय में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। शिविर में उपस्थित न्यायाधीश श्रीमती प्रियंका रतोनिया सिंह द्वारा शिविर में उपस्थित बालिकाओं को पॉक्सो एक्ट, मोटर व्हीकल एक्ट, मध्यस्थता के लाभ एवं बालिकाओं के अधिकारों की जानकारी प्रदान की गई। शिविर आयोजन पश्चात छात्रावास के प्रागंण में न्यायाधीश शशि सिंह, प्रियंका रत्तोनिया सिंह, हॉस्टल की वार्डन सुमन केसरिया एवं उपस्थित स्टाफ एवं बालिकाओं द्वारा 50 फलदार पौधे, जिनमें आम, जाम, जामुन, कटहल, आंवला, ईमली आदि का रोपण किया गया।

महिला जनप्रतिनिधियों के अधिकारों का हो रहा हनन

सिरोंज। महिला सरपंच सिर्फ प्रमाण पत्र और हस्ताक्षर नमूना बदलने के समय ही जनपद पंचायत में उपस्थित हुई थी, उसके बाद से उक्त महिला सरपंच के अधिकारों का हनन करने वाले उनके पति पुत्र या फिर परिजन हर छोटे-बड़े कार्य के लिये जनपद पंचायत में आते जाते हैं,जिन पर प्रशासन का कोई नियंत्रण नहीं है। ऐसी परिस्थिति में में कलेक्टर द्वारा जारी किया गया आदेश क्या मायने रखता है क्योंकि यदि कोई अधिकारी इन लोगों पर अंकुश लगाने का प्रयास करता है, तो यह लोग जनप्रतिनिधि की शरण में शरणागत हो जाते हैं। जिस का फायदा यह लोग उठते हैं, जिससे महिलाओं के मौलिक अधिकारों का हनन तो होता ही है कर्मचारी भी प्रताड़ना का शिकार होते हैं।

जितनी भी फाईलें जनपद पंचायत में आती है स्वीकृति के लिये उन फाईलों पर किये गये हस्ताक्षर की जांच कराई जाना चाहिये कि उक्त हस्ताक्षर वास्तव में किस ने किये है। ग्राम पंचायत में महिला सरपंच हैं और आरक्षित ग्राम पंचायतें उन ग्राम पंचायतों में किये गये वाउचर भुगतान और निर्माण कार्य की जांच की जाये तो अधिकारीयों के पैरों तले से जमीन खिसक जायेगी।

मेट्रो एंकर | नर्मदा महाविद्यालयमें तीन दिवसीय दीक्षांत समारोह का समापन

समारोह में भूतपूर्व छात्र सम्मेलन, सांस्कृतिक,साहित्यिक गतिविधि

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो।

पीएम एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा कॉलेज में तपूर्व छात्र सम्मेलन सांस्कृतिक, साहित्यिक और खेल विधाओं के साथ दीक्षारंभ समारोह की समाप्ति का दिन रहा। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ संजय चौधरी ने विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी उन्होंने कहा कि आज आपके साथ इस कालेज के सीनियर छात्र अपना अनुभव और जीवन की शिक्षाओं को साझा कर रहे हैं यह एक व्यवहारिक शिक्षा के तौर पर आपका ज्ञानवर्धन हो रहा है। इस दौरान गिरजा शंकर शर्मा पूर्व विधायक ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि आप लोग इस क्रांतिकारी वैज्ञानिक युग में मोबाइल और टेक्नोलॉजी के साथ शिक्षा ले रहे हैं, आवश्यकता है सकारात्मक सीख और आत्मानुशासन की ।

देश को दुनिया के शीर्ष पर ले जाना आपका कर्तव्य है। डॉ संतोष व्यास ने शिक्षा को आजीवन चलने वाली प्रक्रिया बताते हुए कहा कि सही मायने में हम आजीवन ही विद्यार्थी रहेंगे ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती। डॉ एस सी हर्ने ने भी अपने वक्तव्य में कहा कि बहुआयामी शिक्षा से आप जीवन में आर्थिक प्रगति करेंगे किंतु नैतिकता का निर्वहन भी आपका दायित्व रहेगा। उद्बोधन की श्रृंखला में प्राध्यापक अरुण शर्मा ने बौद्धिक संपदा पर व्याख्यान केंद्रित किया उन्होंने बताया कि 21वीं सदी में ये नए सोपान हैं जो कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेंट और साइबर क्राइम तक जुड़ जाते हैं । इनके लिए कानून ने कई प्रावधान रखे हैं उन्होंने भारतीय न्याय संहिता पर प्रकाश डाला। डॉ अपूर्वा वर्मा ने लिंग संवेदीकरण विषय पर समता और समानता के अंतर को स्पष्ट किया। उन्होंने यौन उत्पीड़न अधिनियम ,लिंग रूढ़िवादिता को घटनाओं और मुकदमों के साथ विद्यार्थियों के सम्मुख प्रस्तुत किया ।

कई कानूनी धाराएं और हेल्पलाइन भी साझा की और कहा कि हमेशा जागरूक और समय के साथ अपडेट रहें।डॉ आर एस बोहरे ने सामाजिक उत्तरदायित्व को विद्यार्थी जीवन के लिए एनएसएस, एनसीसी के माध्यम से देश सेवा और व्यक्तित्व विकास का माध्यम बताया। डॉ हंसा व्यास ने शोध, प्रोजेक्ट दस्तावेजीकरण और लेखन क्षेत्र की चुनौतियां और अवसर पर व्याख्यान केंद्रित किया। कोच स्नेहा दुबे ने महाविद्यालय में होने वाली वार्षिक खेल गतिविधियों पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात पश्चात विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रस्तुतियां दी। जिसमें पीयूष राजपूत, भूमि चौहान, महिमा करैया, भूमि सोनी, शिवांशु मिश्रा, शिवानी साहू, खुशबू चौहान, सुमित यादव आदि विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

बजट को विधायक ने बताया समावेशी, विपक्ष ने कहा कि किसी को कुछ नहीं मिला

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के द्वारा बजट पेश किया गया जिसको सत्ता पक्ष ने बहुत ही अच्छा और प्रदेश के साथ आम जनता जनार्दन के साथ सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए विकसित मध्य प्रदेश और समावेशी मध्य प्रदेश का बजट बताया विधायक उमाकांत शर्मा ने वित्त मंत्री के द्वारा पेश किए गए बजट की सराहना करते हुए कहा बहुत ही अच्छा बजट बनाया गया है। दूसरी ओर कांग्रेस ने बजट को दिशाहीन बताते हुए कहा कि हर बार छलावा करने का काम किया जाता है गरीब वर्ग से लेकर मध्यम वर्ग और व्यापारी किसानों को इस बजट से कुछ नहीं मिला कर्ज में प्रदेश को डूबने का काम किया जा रहा है । महंगाई से सभी परेशान है युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है परीक्षाओं में घोटाले हो रहे हैं, किसानों के लिए कुछ नहीं दिया भाजपा सरकार किसी को चिंता नहीं कर रही है।

बजट प्रतिक्रिया

मैं वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा जी का अभिनंदन करता हूं उन्होंने सर्वव्यापक, सर्वस्पर्शी,सर्वसमावेशी बजट आज प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जनकल्याणकारी मनमोहक मंत्र से प्रेरित होकर तथा प्रधानमंत्री के सपनों एवं संकल्पों को पूरा करने वाला बजट आज आया है। मध्यप्रदेश के हर वर्ग का उन्होंने ध्यान रखा है, गांव, गरीब, पिछले शोषित सबको लाभांवित करने वाला बजट है । कह सकते हैं सर्वे भवन्तु सुखिना सर्वे संतु निरामया के भाव को मध्यप्रदेश सरकार चरितार्थ कर रही है। यह बजट एकात्मक मानववाद एवं अंत्योदय का मूर्त रूप है। वर्ष 2024 का यह बजट मध्यप्रदेश की आशाओं, आकांक्षाओं का बजट है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के उद्देश्यों एवं संकल्पों के आधार पर मध्यप्रदेश सरकार का यह दूरदर्शी बजट है, जो सशक्त, समृद्ध, शक्तिशाली , 'खुशहाल और विकसित' मध्यप्रदेश बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

उमाकान्त शर्मा विधायक सिरोंज

महंगाई से आम जनता त्रस्त हो रही है मध्यम वर्ग से लेकर किसान युवा रोजगार के लिए परेशान हो रहे हैं। किसी को इस बजट से कुछ नहीं मिला निराशा के सिवा कुछ नहीं दिया आम जनता को महंगाई से मुक्ति दिलाने के लिए कदम उठाने थे पर ऐसा नहीं किया केवल छलने वाला काम बजट है।

सुरेंद्र रघुवंशी कांग्रेस नेता

नपा का अस्थाई कर्मचारी बना अड़ीबाज, पर खुलेआम ठेले वाले से वसूली पर चुप्पी

पुलिस प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं कर पाए

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

खुलेआम फल का ठेला वाले के साथ रंगदारी का वीडियो तथा लिखित में शिकायत देने के बाद भी नगर पालिका एवं पुलिस प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं कर पाए जिसकी चर्चा इन दिनों शहर में हो रही हैं। वैसे तो इस तरह का मामला सामने आने के बाद तत्काल कार्रवाई होनी थी पर लंबा समय बीत जाने के बाद भी केवल जांच और नोटिस का ही खेल चल रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में नगर पालिका में अस्थाई रूप से कार्य करने वाले कर्मचारियों को नोटिस पर नोटिस देकर खानापूर्ति की जा रही है। दूसरी ओर पुलिस जांच और नगर पालिका से आवेदन आने की बात कह कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रही है ऐसी स्थिति में पीड़ित को न्याय नहीं मिल रहा है। उक्त मामले में कार्रवाई नहीं हुई तो इस तरह की प्रवृत्ति के लोगों के हौसले वाले बढ़ेंगे और व्यापारियों से लेकर छोटे-छोटे दुकानदारों और ठेले वालों को आने वाले समय में और भी बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है । इसलिए उक्त मामले में तत्काल बड़ी कार्रवाई होनी चाहिए थी पर नहीं हुई है ।

वहीं वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद नगर पालिका और पुलिस प्रशासन जिम्मेदार अधिकारी भी गरीब व्यक्ति का मामला होने गंभीरता से कार्रवाई नहीं कर रहे है। इस तरह की घटना यदि किसी नेता या वजनदार व्यापारी के साथ की होती तो पुलिस भी अभी तक प्रकरण भी दर्ज हो जाता ओर नगर पालिका भी ऐसे कर्मचारियों को तत्काल बाहर करके कार्रवाई कर देता पर छोटे व्यक्ति का मामला होने के कारण दोनों बिभागो के जिम्मेदारी उक्त मामले को शायद गंभीरता से नहीं ले रहे हैं तभी तो इतना समय बीत जाने के बाद भी ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई यह चिंता का विषय है ।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में साफतौर पर दिख रहा है कि उक्त दोनों व्यक्ति नशे में धुत हैं और खुलेआम रंगदारी करके नगर पालिका के अपने आप को कर्मचारी बताकर विभाग का नाम भी बदनाम कर रहे हैं इसके बाद भी नगर पालिका कार्रवाई नहीं कर पाई जबकि स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा कार्रवाई करने के लिए फाइल को भी बढ़ा दिया गया है, मुख्य नगर पालिका अधिकारी के द्वारा नोटिस पर नोटिस देकर मामले को लंबा खींचने का काम किया जा रहा है। जिस दिन वीडियो सामने आया था उसे दिन नगर पालिका अध्यक्ष ने भी उक्त कर्मचारीयों पर कड़ी कार्रवाई के लिए स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया था पर वह भी अब शांत दिखाई दे रहे हैं । जबकि सौरभ एक और साथी ने नगर पालिका कर्मचारी बात कर फल बेचकर अपना घर चला रहा है देवेंद्र कुमार के साथ आडीबाजी करके सामान लेने का प्रयास कर रहा है नहीं देने पर उक्त व्यक्ति को धमकी भी दे रहा है ठेले का सामान फेंकने का काम भी किया जा रहा है वीडियो भी बनाया जा रहा है उसमें भी खुलेआम ठेले वाले को धमकी दे रहा है। ठेले वाले के साथ नगरपालिका के अस्थाई कर्मचारियों ने 21 जून को रात्रि 10:00 बजे बस स्टैंड पर आम का ठेला लगाकर बेच रहे देवेन्द्र तभी यह दोनों नशे में दर होकर इनके पास पहुंचे और कहा कि आम दे दो तो ठेले वाले ने तोलकर जब पैसों की मांग की तो सौरभ वाल्मीकि और दूसरे कर्मचारियों ने कहा कि तू मुझे नहीं जानता मैं नगर पालिका स्वच्छ शाखा कर्मचारी हूं फ्री में आम देने पड़ेंगे इसके बाद ठेले वाले ने उनकी इस कार्य का का वीडियो बनाने का कार्य किया तो कहा कि जितनी वीडियो बनाना उतनी बना ले तुझे मेरी बात माननी ही पड़ेगी काफी देर तक ठेले वाले के साथ कर्मचारियों ने गलत व्यवहार भी किया सामान को तितर बितर भी किया इसके बाद देवेंद्र कुमार ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा पुलिस को लिखित में शिकायत देकर अपने साथ हुई अडीबाजी की शिकायत करते हुए जहां नगर पालिका से दोनों कर्मचारियों के व्यवहार को लेकर कड़ी कार्रवाई की मांग की थी वहीं पुलिस को आवेदन देकर मामला दर्ज करने की मांग की गई थी पर दोनों जगह से एक सप्ताह से अधिक का समय भी जाने के बाद भी किसी भी तरह की कोई कार्रवाई नहीं हुई जिसको लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही है और लोगों का कहना है कि जब खुलेआम वसूली करने वाले मामले भी नगर पालिका और पुलिस प्रशासन अस्थाई रूप से काम करने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई नहीं कर पा रही है तो फिर स्थाई रूप से काम करने वाले कर्मचारी हैं पर तो किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं होगी इसके कारण आम जनता का भरोसा भी शासन उठ रहा है।

इनका कहना है -

आवेदन दिया था उसकी जांच कर रहे है फरियादी भी नहीं आया है दूसरी ओर नगर पालिका भी कार्रवाई करके हमें प्रतिदिन भेजने वाली उसके बाद हम कार्रवाई करेंगे।

***संदीप सिंह पंवार** थाना प्रभारी*

मामला बहुत ही गंभीर है हम ठोस कार्रवाई कर रहे हैं अभी दोनों को अंतिम नोटिस दिया है इसके बाद हटाने की कार्रवाई करेंगे।

***पवन शर्मा** मुख्य नगर पालिका अधिकारी*

सड़कों पर सांडों की धमाचौकड़ी, बीच सड़क पर लड़ते है मगर शिकायत के बाद भी जिम्मेदारों ने नही दिया ध्यान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर में आवारा पशुओं की धमाचौकडी बड गई है मुख्य मार्गो पर आवारा सांड और गायो ने कब्शा कर रखा है वही आवारा मवेशियो का शहां वहा रोडो पर बैठा हुआ देखा शा सकता है । वही आवारा कुत्तों का खौफ भी लगातार बढ़ रहा है स्थानीय प्रशासन आवारा पशुओ के कारण आम लोगो को आ रही परेशानियों को दूर करने के लिए गंभीर नशर नही आ रही है । नगर मे आवारा पशुओं की तादात पहले से ही काफी अधिक है सबसे अधिक परेशानियां आवारा पशुओ के कारण आ रही है रात के समय मुख्य मार्गो पर बीच रोड पर बैठे आवारा मवेशी हार्न से भी नही हटते है स्वयं उतरकर हटाना पड़ता है । वही आवारा सांड आये दिन लोगो को घायल कर रहे है वही ठेला चालक

आये दिन इन सांडो से परेशान है सब्शी मंडी में दुकानदारो की सब्शी फल को भी आवारा पशु चट कर शाते है शिससे उन्हे नुकसान होता है । यह आवारा पशु सब्शी दुकानो पर उस समय अचानक मुँह मारते है शब दुकानदार या तो ग्राहक को सब्शी तोल रहा होता है यह फिर उसका ध्यान इधर उधर होता है ।

आवारा पशुओ को गौशाला में रखने के भी पर्याप्त इंतशाम है फिर भी नगर पालिका के शिम्मेदार अधिकारी इन आवारा पशुओ को गौशाला नही भेश रही है शिससे नागरिक काफी परेशान है । वही आवारा कुत्तो ने नगर के लिए परेशानी पैदा कर रखी है कुई कुत्ते तों रात के समय दोपाहिया मोटर सायकल चालको के पीछे पडते हुए देखा गया है घबराकर कई बार मोटर साईकल चालक गिरकर घायल भी हो चुके है मगर प्रशासन इस और बिल्कुल भी ध्यान नही दे रही है शिससे नगर के लोग काफी परेशान है।

नोबल पुरस्कार विजेता के गृह जिले में

दर-दर भटकता बचपन, बाल सुरक्षा कानून की उड़ रही है धज्जियां

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कहने के लिए तों शासन द्धारा कई अधिनियम बनाऐं शाते है शिसका धरातल पर पालन नही होता है । कागजों में ही नियम संचालित होते है बचपन बचाने के लिए शासन द्धारा कई कानून बनाऐ गये है फिर इनका पालन अधिकारी नही करा रहे है । शो उम्र पढ़ने लिखने व खेलने कूदने की है उस उम्र मे नन्ने मुन्ने बच्चे होटलो और दुकानो मे गवा रहे है । बचपन बचाने के लिए समाजसेवी संस्थाओं से लेकर एनजीओ एवं शासकीय तंत्र आंकड़ो की बाशीगरी कर किस कदर शासन की राशि का बंदरबांट लगा रहे है । साथ ही नोबल पुरस्कार विशेता कैलाश सत्यार्थी शिन्हे बचपन बचाने के नाम पर यह पुरूस्कार मिला लेकिन उन्ही के गृह जिले मे देश के भविष्य कहे जाने वाले नैनिहालों का बचपन अनदेखी के चलते किस कदर दाव पर लगा है । इसके प्रमाण जिले भर के साथ सिरोंश तहसील और शहर मे आसानी से देखा शा सकता है । यहां मासूम बचपन न केवल कूडे और कचरे के ढेरो से कबाडा बीनकर चाय की होटलो पर बर्तन धोकर सहित कई जगह मजदूरी करके अपना पेट पाल रहा है । तो पेट की भूख के लिए तों कई बच्चे डर को तक भुलाकर काल कहे शाने साप को तक हाथो और गले मे लेकर भीख मांगते देखने मे आये है । यह मासूम अपने हाथो से सिल टाकते हुए देखे शा सकते है । वही कुछ परिवार के भरण पोशण और कुछ रास्ता भटकर कच्ची उम्र मे ही कई तरह के नशे के आदि होते शा रहे है वही इस मासूम बचपन का का फायदा नशा का अवैध कारोबार करने वाले इनकी मजबूरी का फायदा उठा रहे है ।

गौरतलब हो कि शासन द्धारा विगत दिनो ऐसे ही परिवार और मासूम बचपन शों अपनी मजबूरी के चलते शीवन मे किसी प्रकार आनंद नही उठा पा रहे थे । उन्ही के लिए आनंद उत्सव शैसी बहुआयामी कार्यक्रम भी चलाया गया जिस पर करोड़ो रूपये खर्च भी किये गये । लेकिन शायद ही कोई इनमे से इस आंनद मे भागीदारी हो पाया । बस वह तों आंकड़े की बाजीगारी तक कागजों मे सिमट कर रह गया । ज्ञात रहे कि सरकारी कार्यालयो के सामने चाय की होटलो पंचर की दुकानो गाड़ी धोने की दुकानों पर छोटे-छोटे बच्चे काम करते देखे जा सकते है मगर क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों ने इस और भी बिल्कुल भी ध्यान नही दिया है जिससे यह बच्चे मजूबरी में अपने परिवार का व खुद का पेट पाल रहे है ।

आवेदकों के बैठने तहसील कार्यालय में लगाई कुर्सी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

आवेदकों की परेशानी को देखते हुए एसडीएम हर्षल चौधरी के निर्देष पर तहसील कार्यालय में आने जाने वाले आवेदकगण बाहर खडे अपनी पेशी का इंतेजार खड़े-खड़े करना पडता था । सबसे ज्यादा यह परेषानी मंडल 3 व 4 के आवेदकगणों को करना पडता था क्यों कि मंडल के बाहर बैठने की कोई उचित व्यवस्था नही थी जिससे आवेदकगण खड़े-खड़े अपने कार्य और पेषी का इंतेजार करते थे । वही तहसील कार्यालय के चौकीदार व कोटवार भी बाहर परिसर के खडे रहकर ड्यूटी करते थे उन्हे भी बैठने की कोई उचित व्यवस्था नही थी । फसल बीमा योजना की लिखी हुई कुर्सी तहसील के गेट के पास रखी गई है जिससे तैनात कोटवार व चौकीदार बैठ कर अपना कार्य कर सकते है।

जिला स्तरीय उत्कृष्ट बालक, कन्या छात्रावास में कोचिंग के लिए शिक्षकों से 15 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

सिरोंज। अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा जारी नवीन निर्देशानुसार जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित जिला स्तरीय उत्कृष्ट बालक, कन्या छात्रावास विदिशा में कोचिंग के लिए विषय वार शासकीय शिक्षक, प्राइवेट विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, उत्कृष्ट प्राइवेट कोचिंग एवं प्राइवेट कोचिंग संस्था से आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। शिक्षकों को 300 रुपये प्रति कालखंड के मान से माह में अधिकतम 20 कालखंड का मानदेय प्रदान किया जाएगा।जनजातीय कार्य विभाग की जिला संयोजक पारुल जैन ने बताया कि कक्षा 9वीं, 10वीं में कोचिंग देने वाले शिक्षक के लिए संबंधित विषय में ग्रेजुएशन स्तर पर न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक तथा कक्षा 11वीं और 12वीं की कोचिंग के लिए संबंधित विषय में पोस्ट ग्रेजुएशन में 60 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य रहेगा। कंप्यूटर सामान्य ज्ञान का कालखंड रविवार को होगा एवं माह में अधिकतम पांच कालखंड का मानदेय दिया जाएगा। प्रत्येक शिक्षक को कोचिंग के संदर्भ में अपनी मासिक डायरी संधारित करनी होगी। आवेदन पत्र सादे कागज पर व्यक्तिगत विवरण एवं शैक्षिक विवरण सहित प्रमाण पत्रों की छाया प्रति संलग्न करते हुए 15 जुलाई 2024 तक आमंत्रित किए गए हैं।

मेट्रो एंकर | पीएम जनमन योजनाओं के लाभान्वित हितग्राहियों से संवाद

राज्यपाल मंगुभाई पटेल का प्रस्तावित दौरा कार्यक्रम को लेकर अधिकारियों ने तैयारियों का लिया जायजा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल का प्रस्तावित दौरा कार्यक्रम अनुसार छह जुलाई को विदिशा जिले के गंजबासौदा में संपूर्णता अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होंगे। बासौदा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत डिंडोली में आयोजित कार्यक्रम में पीएम जनमन योजनाओं के लाभान्वित हितग्राहियों से संवाद एवं आंगनबाडी व स्कूल में अध्ययनरत छात्रों से रू-ब-रू होकर उन्हें पाठ्यपुस्तको का वितरण करेंगे।

राज्यपाल श्री पटेल का प्रस्तावित दौरा कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने बताया कि राज्यपाल श्री पटेल शनिवार छह जुलाई को हेलीकॉप्टर से पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल होंगे। हेलीपैड स्थल पर किए जाने वाले प्रबंधो तथा आयोजन स्थल की व्यवस्थाओं का कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य, पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला एवं जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने संयुक्त रूप से भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया साथ ही क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए है।

उक्त कार्यक्रम में कलश यात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ प्रभात फेरी, संपूर्णता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करना सहित पीएम जनमन योजनाओं के हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, आधार

कार्ड, स्व सहायता समूह की महिलाओं को शासन की योजनाओं से लाभान्वित करना, पात्रता पर्ची, राजस्व विभाग, कृषि विभाग एवं शिक्षा विभाग की योजनाओं, सिकल सेल कार्ड, लाड़ली लक्ष्मी सहित अन्य योजनाओं के कार्डों का वितरण हितग्राहियों को किया जाएगा। एकीकृत शाला, शासकीय माध्यमिक शाला डिंडोली के प्रागंण में आयोजित होने वाले सभा कार्यक्रम के मद्देनजर किए जाने वाले कार्यक्रमों का भी जायजा लिया गया है।

उक्त कार्यक्रम में पीएम जनमन योजना से लाभान्वित सहरिया जनजातीय परिवारों के नागरिक, अन्य ग्रामीण नागरिक, स्व सहायता समूह की महिलाओं सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहेंगे।

प्रदर्शनी - कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शनी भी लगाई जाएंगी जिसमें स्वास्थ्य शिविर, सिकल सेल शिविर में कार्ड वितरण, पोषण संबंधी प्रदर्शनी, शिक्षा विभाग की प्रदर्शनी, आधार कार्ड, समग्र आईडी, आयुष्मान कार्ड बनाए जाने हेतु कैंप का आयोजन, ट्राइबल विभाग की प्रदर्शनी तथा कृषि विभाग के द्वारा भी कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी।

कलेक्टर ने बासौदा के सर्किट हाउस में बैठक आयोजित कर राज्यपाल जी के प्रस्तावित दौरा कार्यक्रम के मद्देनजर किए जाने वाले प्रबंधो के संबंध में विभिन्न विभागो के अधिकारियों को आवश्यक जबावदेही सौंपी है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग के जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित कर सम्पूर्ण कार्यक्रम को गरिमा प्रदान करते हुए सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराएंगे। उन्होंने स्थानीय एसडीएम को राज्यपाल जी के प्रवास पूर्व ग्राम में शिविर आयोजित कर आमजनों की मूलभूत समस्याओं तथा योजनाओं से लाभांवित होने वाले हितग्राहियों का चिन्हांकन करे और उन्हें लाभांवित कराने के तमाम प्रबंध सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सम्पूर्णता अभियान के तहत आकांक्षी ब्लाक में क्रियान्वित पैरामीटरो के अनुसार कार्यो का शुभारंभ कराने के लिए किए जाने वाले प्रबंधो पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने कहा कि इसके लिए पूर्व में समन्वय स्थापित कर नीति आयोग के द्वारा निर्धारित पैरामीटरो की पूर्ति की जाए।

चैंपियंस ट्रॉफी में फिर भिड़ सकती हैं भारत और पाकिस्तान टीम

पीसीबी ने ड्राफ्ट दिया, भारत के सभी मुकाबले लाहौर में, आईसीसी से मंजूरी बाकी

एंटीगुआ, एजेंसी

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 अगले साल 19 फरवरी से 9 मार्च तक खेली जाएगा, जिसमें 10 मार्च फाइनल के लिए रिजर्व डे होगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टूर्नामेंट के 15 मैचों का ड्राफ्ट आईसीसी को भेज दिया है। आईसीसी टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली 8 टीमों के बोर्ड से सहमति लेने के बाद ही इस शेड्यूल को अप्रूवल करेगा। पाकिस्तान एक मार्च को लाहौर में सबसे बड़े राइवल भारत से भिड़ सकता है। हालांकि, बीसीसीआई ने अभी तक इस मैच के लिए अपनी सहमति नहीं दी है। आईसीसी बोर्ड के एक वरिष्ठ सदस्य ने पीटीआई को यह जानकारी दी। 1996 के बाद पहली बार पाकिस्तान किसी बड़े आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। हालांकि, पीसीबी ने 2008 में पूरे एशिया कप की मेजबानी की थी और पिछले साल भी एशिया कप के कुछ मैच पकिस्तान में हुए थे।

पीसीबी अध्यक्ष ने तय किया 15 मैचों का कार्यक्रम

रिपोर्ट के मुताबिक, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने 15 मैचों का शेड्यूल आईसीसी को भेजा है। जिसमें भारत के सभी मैच सुरक्षा कारणों की वजह से लाहौर में रखे गए हैं। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने कहा, पीसीबी ने 15 मैचों की आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का ड्राफ्ट प्रस्तुत किया है। लाहौर में सात, कराची में तीन और रावलपिंडी में पांच मैच होंगे। शुरुआती मैच कराची में होंगे, जबकि दो सेमीफाइनल कराची और रावलपिंडी में होंगे। इसके अलावा फाइनल मुकाबला लाहौर में खेला जाएगा। भारत के सभी मैच लाहौर में होंगे, अगर टीम सेमीफाइनल में पहुंची तो यह मैच भी लाहौर में ही होगा।

दो ग्रुप में आठ टीमें

भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और अफगानिस्तान शामिल हैं। हाल ही में आईसीसी के इवेंट प्रमुख क्रिस टेटली ने पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी से इस्लामाबाद में मुलाकात की थी, जब सुरक्षा टीम ने आयोजन स्थलों और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया था।

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने पकिस्तान को हराया

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने पाकिस्तान को 120 रन का टारगेट चेज नहीं करने दिया। पाकिस्तान की टीम 7 विकेट पर 113 रन ही बना सकी। टी-20 इंटरनेशनल में भारत ने यह सबसे छोटा स्कोर डिफेंड किया। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। टीम इंडिया 119 रन पर ऑलआउट हो गई।

लाहौर में हो सकता है मुकाबला

न्यूयॉर्क में पाकिस्तान पर भारत की जीत का जश्न अभी थमा भी नहीं है कि इस बीच एक रिपोर्ट के अनुसार, अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान का आमना-सामना लाहौर में हो सकता है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का ड्राफ्ट शेड्यूल आइसीसी को सौंप दिया गया है। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण भारत ने अभी तक पाकिस्तान की यात्रा करने का फैसला नहीं किया है। पिछले साल एशिया कप में, भारतीय सरकार ने टीम को पाकिस्तान की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी थी और टूर्नामेंट में उनके मैच श्रीलंका में एक न्यूट्रल वेन्यू पर खेले गए थे। चैंपियनंस ट्रॉफी के मैच 19 फरवरी से 9 मार्च के बीच खेले जाने की संभावना है। हालांकि, अंतिम कार्यक्रम की घोषणा अभी बाकी है। संभावित शिड्यूल के मुताबिक, 20 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में सिर्फ पाकिस्तान के साथ ही नहीं, बल्कि भारत के सारे मुकाबलों का आयोजन लाहौर में ही किया जाएगा। टूर्नामेंट के 15 मैचों में से 7 का आयोजन लाहौर में होगा। वहीं 5 मैच रावलपिंडी में जबकि 3 मैच कराची में खेले जा सकते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का ओपनिंग मैच कराची में होगा।

पुर्तगाल ने पेनल्टी शूटआउट में स्लोवेनिया को हराया

क्वार्टर फाइनल में मारी एंट्री

फैंकफर्ट, एजेंसी

पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पेनल्टी शूटआउट में गोल कर यूरो 2024 के मुकाबले में स्लोवेनिया को हराकर टीम को क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया। इस मुकाबले में निर्धारित समय में दोनों टीम गोल नहीं कर पाई, इसके बाद एक्स्ट्रा टाइम में भी स्कोर 0-0 रहा। हालांकि, रोनाल्डो के पास एक बड़ा मौका था लेकिन वो पेनल्टी चूक गए। वे काफी निराश नजर आए।

यह मेरा आखिरी यूरो होगा, सर्वश्रेष्ठ दूंगा: मैच के बाद रोनाल्डो ने कहा, बेशक, यह मेरा आखिरी यूरो होगा। लेकिन मैं इससे प्रभावित नहीं हूं, मैं उत्साह से प्रेरित हूं। मुझे प्रशंसकों के लिए खेद है। मैं हमेशा इस जर्सी के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा, चाहे मैं इसे मिस करूं या नहीं। और मैं यह पूरी जिंदगी करूंगा।

मैं वर्ष में एक बार भी नहीं चूका: रोनाल्डो ने कहा, मैं वर्ष के दौरान एक बार भी नहीं चूका, स्लोवेनिया ने लगभग पूरा समय बचाव में बिताया, टीम बधाई की पात्र है।

मेरे करियर का बेस्ट मैच: 24 वर्षीय कोस्टा ने मैच के बाद कहा, यह मेरे करियर का अब तक का सबसे अच्छा मैच हो सकता है। मैंने मैदान पर अपना बेस्ट दिया है। मैंने पेनल्टी शूटआउट के दौरान खुद पर भरोसा रखा। कोस्टा ने एक्स्ट्रा टाइम के अंतिम चरण में एक महत्वपूर्ण बचाव किया था।

एक्स्ट्रा टाइम में चूके रोनाल्डो: पेनल्टी चूकने के बाद, रोनाल्डो पेनल्टी शूटआउट में पहले स्थान पर आकर भरपूर आत्मविश्वास के साथ पेनल्टी को गोल में तब्दील किया।

बड़ा उलटफेर: मौजूदा चैंपियन वोंड्रोसोवा पहले दौर में बाहर

वोंड्रोसोवा 30 वर्षों में पहले दौर में हारने वाली पहली विम्बलडन चैंपियन, भारत के सुमित नागल पहले दौर में हारे

लंदन. एजेंसी

मार्केटा वोंड्रोसोवा को विम्बलडन टेनिस के महिला एकल के शुरुआती दौर में उलटफेर का शिकार होना पड़ा। 83वें नंबर पर काबिज स्पेन की जेसिका बौजस मानीरो ने छठीं नंबर की खिलाड़ी वोंड्रोसोवा को महज 67 मिनट में 6-4, 6-2 से करारी शिकस्त दी। चेक रिपब्लिक गणराज्य की 25 वर्षीय खिलाड़ी वोंड्रोसोवा 1994 के बाद विम्बलडन के शुरुआती दौर में हार का सामना करने वाली पहली मौजूदा महिला चैंपियन बनी

कोको गॉफ की आसान जीत: महिला एकल में दूसरी वरीयता प्राप्त और मौजूदा यूएस ओपन चैंपियन कोको गॉफ ने सोमवार को यहां हमवतन अमरीकी खिलाड़ी कैरोलीन डोलेहाइड पर 6-1, 6-2 से आसानी से जीत हासिल की और दूसरे दौर में जगह बनाई।

राडुकानु और कोत्स्युक अगले दौर में पहुंचीं: वहीं, पूर्व यूएस ओपन चैंपियन और ब्रिटिश खिलाड़ी एम्मा राडुकानु ने पहले दौर में मैक्सिको की लकी लूजर रेनाटा जाराजुआ को 7-6, 6-3 से हराया।

इधर, जेनिक सिनर दूसरे दौर में पहुंचे: शीर्ष वरीय और विश्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी जेनिक सिनर ने पुरुष एकल मुकाबले में जर्मनी के यानिक हन्फमैन पर 6-3, 6-4, 3-6, 6-3 से जीत दर्ज की। वहीं सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने चेक क्वालीफायर विट कोप्रिवा को एक घंटे 58 मिनट तक चले मुकाबले में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल को सर्बिया के मियोमिर केसमानोविच ने 6-2, 3-6, 6-3, 6-4 से हराया। रूस के डेनियल मेदवेदेव ने अमरीका के एलेक्जैंडर कोवासेविक को पहले दौर में 6-3, 6-4, 6-2 से मात दी।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स

6 देशों की टीमें इंग्लैंड में खेलेंगी

मुंबइ, एजेंसी

युवराज सिंह, सुरेश रैना, शाहिद आफरीदी, केविन पीटरसन, यूनिस खान, क्रिस गेल सहित क्रिकेट के बड़े सितारे वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ़ लीजेंड्स के पहले संस्करण में एक बार फिर मैदान में दिखाई देंगे। टूर्नामेंट 3 से 13 जुलाई तक इंग्लैंड के बर्मिंघम में एजबस्टन स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, वेस्ट इंडीज, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड की टीमें हैं जो इस टूर्नामेंट में भाग लेंगी। प्रत्येक टीम एक-दूसरे के खिलाफ एक बार खेलेगी, और शीर्ष चार सेमीफाइनल में पहुंचेंगी जिसके बाद फाइनल होगा।

भारत-पाक मैच 6 को: भारत का पहला मैच 3 जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ होगा, जो टूर्नामेंट का शुरुआती मैच भी है, जबकि भारत-पाकिस्तान का बड़ा मुकाबला 6 जुलाई को होना है। भारतीय टीम में युवराज सिंह, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, गुरकीरत मान, राहुल शर्मा, नमन ओझा, राहुल शुक्ला, आरपी सिंह, विनय कुमार, धवल कुलकर्णी, अनुरीत सिंह, पवन नेगी।

मेट्रो बाजार

सप्लाई दुरुस्त होने के बावजूद बढ़ाए जा रहे दूध के दाम

नईदिल्ली, एजेंसी

पिछले महीने भारत के दो प्रमुख दूध ब्रांड, मदर डेरी और अमूल, ने अपने दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। यह वृद्धि 2024 के आम चुनावों के समाप्त होने के बाद हुई है और पिछले 15 महीनों में यह पहली बार है जब दूध की कीमतों में वृद्धि की गई है। कुछ दिनों बाद, कर्नाटक मिल्क फेडरेशन, जो नंदिनी ब्रांड के नाम से दूध बेचती है, ने भी 2 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की घोषणा की। हालांकि, प्राइवेट दूध कंपनियों ने पहले ही अपनी कीमतें बढ़ा दी थीं, लेकिन सहकारी संस्थाएं और राज्य समर्थित उद्यम स्थिर कीमतें बनाए रखने में सफल रहे थे। दिलचस्प बात यह है कि दक्षिण भारत की कुछ डेयरियों ने अपने रिटेल दाम कम कर दिए हैं। महाराष्ट्र में दूध उत्पादकों ने विरोध प्रदर्शन किया और सब्सिडी की मांग की क्योंकि खरीद दर पिछले साल 30-32 रुपये प्रति लीटर से घटकर लगभग 28 रुपये प्रति लीटर हो गई थी। इस पर प्रतिक्रिया करते हुए, राज्य सरकार ने दूध उत्पादकों को 5 रुपये प्रति लीटर की सब्सिडी देने का ऐलान किया है। महाराष्ट्र के वित्त मंत्री अजित पवार के अनुसार लगभग 300,000 किसानों को 224 करोड़ रुपये का वितरण किया गया है और शेष राशि जल्द ही कवर की जाएगी। इस बीच, केंद्र सरकार ने भविष्य में कीमतों को स्थिर करने के लिए राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड द्वारा प्रबंधित टैरिफ-कोटा सिस्टम के तहत 10,000 टन स्किम्ड मिल्क पाउडर के आयात की अनुमति दी है। पिछली बार अमूल और मदर डेरी ने फरवरी 2023 में दूध की कीमतें बढ़ाई थीं। उससे पहले, मदर डेरी ने मार्च और दिसंबर 2022 के बीच प्रति लीटर 10 रुपये की वृद्धि की थी, जबकि अमूल ने 2022 में तीन बार कीमतें बढ़ाई थीं। दूध की कीमतों में यह हालिया बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब भारत में दूध की सप्लाई में कोई कमी नहीं है।

भारतीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'कू' बंद

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म चश्श अब बंद हो गया है। 'कू' के फाउंडर्स अप्रमेय राधाकृष्ण और मयंक बिदावतका ने इस फैसले का ऐलान किया। इस ऐप को माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट ट्विटर को टक्कर देने के लिए लॉन्च किया गया था। फाउंडर्स ने पार्टनरशिप विफल होने, अनप्रिडिक्टेबल कैपिटल मार्केट और हाई टेक्नोलॉजी कॉस्ट के कारण यह फैसला लेने की बात कही है। इससे पहले कंपनी ने अप्रैल 2023 में कर्मचारियों की बड़ी संख्या को नौकरी से निकाला था। फाउंडर्स ने कंपनी के कुछ एसेट्स को बेचने की बात भी कही है। उन्होंने कहा, हमें इनमें से कुछ एसेट्स को भारत में सोशल मीडिया के सेक्टर में प्रवेश करने के लिए बड़ा विजन रखने वाले किसी व्यक्ति के साथ शेयर करने में खुशी होगी। लिटल यलो बर्ड सेज फाइनल गुडबाय फाउंडर्स ने कहा, हमने एक्स और ट्वीटर की तुलना में बहुत कम समय में ग्लोबल लेवल पर एक स्केलेबल प्रोडक्ट बनाया, जिसमें बेहतर सिस्टम, एल्गोरिदम और स्ट्रांग स्टेकहोल्डर-फर्स्ट फिलोसोफीज हैं। हमारी टीम हर मुश्किल समय में हमारे साथ खड़ी रही। हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हमें ऐसे भावुक लोगों के साथ काम करने का मौका मिला, जो हमारी कंपनी के उद्देश्य में विश्वास करते थे। फाउंडर्स ने उद्यमियों के रूप में अपनी वापसी का संकेत देते हुए कहा, जहां तक हमारा सवाल है, हम दिल से उद्यमी हैं और आप हमें किसी न किसी तरह से फिर से मैदान में देखेंगे। तब तक, आपके समय, ध्यान, शुभकामनाओं और प्यार के लिए धन्यवाद। लिटल यलो बर्ड सेज फाइनल गुडबाय। अप्रमेय राधाकृष्ण और मयंक बिदावतका ने 2020 में 'कू' को लॉन्च किया था।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

पाकिस्तानी हीरो संग नैन मटक्का करने को तैयार अभिनेत्री वाणी, लंदन में सजेगी ये प्रेम कहानी

वाणी के साथ जिस पाकिस्तानी अभिनेता की जोड़ी जमने वाली है, वह हैं फवाद खान। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म की कहानी मोहब्बत में धोखा खाए दो लोगों पर आधारित है, जो किस्मत से एक-दूसरे से मिलते हैं। बुरे वक्त में एक-दूसरे की मदद करते हैं और इसी दौरान एक-दूजे के प्यार में पड़ जाते हैं। कहा जा रहा है कि सर्दियों में शुरू होगी। लोकेशन को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी तो नहीं आई है, लेकिन कहा जा रहा है कि लंदन में शूटिंग होगी। फवाद और वाणी की इस हिंदी भाषी फिल्म का निर्देशन आरती बागड़ी करेंगी और यह ईस्टवुड स्टूडियोज के लिए पहला अंतर्राष्ट्रीय सहयोग होगा। इस स्टूडियो की स्थापना रिलायंस और फैंटम के पूर्व कार्यकारी विवेक बी अग्रवाल और देवांग ढोलकिया ने की थी। बी अग्रवाल ने इससे पहले क्वीन, उड़ता पंजाब, सुपर 30 जैसी फिल्मों के अलावा नेटफ्लिक्स की भारत में पहली सीरीज सेक्रेड गेम्स का निर्माण किया है। फवाद खान इससे पहले भी बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुके हैं। फवाद ने साल 2014 में सोनम कपूर के साथ फिल्म खूबसूरत से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया था और यहां दर्शकों से उन्हें खूब प्यार मिला। साल 2016 से फवाद हिंदी सिनेमा से दूर हैं। अब फिर बॉलीवुड में उनकी वापसी की खबर उनके भारतीय प्रशंसकों के लिए तो किसी खुशखबरी से कम नहीं।

'कल्कि' की सक्सेस देख पोस्टपोन हुई फिल्म 'औरों में कहां दम था'

अजय देवगन और तबु की फिल्म 'औरों में कहां दम था' रिलीज से 3 दिन पहले पोस्टपोन कर दी गई है। यह फिल्म 5 जुलाई को थिएटर्स में रिलीज की जानी थी। मेकर्स ने एक पोस्ट शेयर करते हुए अनाउंस किया कि डिस्ट्रीब्यूटर्स और एग्जिबिटर्स की रिक्वेस्ट पर यह फैसला किया गया है। मेकर्स ने अब तक इस फिल्म की नई रिलीज डेट अनाउंस नहीं की है। मेकर्स ने एक पोस्ट शेयर कर इस फैसले की जानकारी दी। इसमें लिखा था, 'फिल्म एग्जिबिटर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स की रिक्वेस्ट पर हमने अपनी अपकमिंग फिल्म 'औरों में कहां दम था' की रिलीज डेट शिफ्ट कर दी है। नई रिलीज डेट की अनाउंसमेंट जल्द की जाएगी।'

'कल्कि' कर रही जबरदस्त कमाई: रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स ने इस फिल्म को 'कल्कि 2898' की सफलता को देखते हुए पोस्टपोन किया है। इस फिल्म ने बीते 5 दिनों में ग्लोबली 600 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन कर लिया है। फिल्म के ज्यातादार शोज हाउसफुल जा रहे हैं। ऐसे में यह फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स और एग्जिबिटर्स के लिए भी फायदेमंद साबित हो रही है। माना जा रहा है कि 'कल्कि' के रहते हुए 'औरों में कहां दम था' को ज्यादा स्क्रीन्स नहीं मिल पातीं इसलिए मेकर्स ने इसकी रिलीज पोस्टपोन कर दी है। नीरज पांडे के निर्देशन में बनी 'औरों में कहां दम था' में अजय देवगन और तबु लीड रोल में नजर आने वाले थे। यह एक रोमांटिक फिल्म है जिसके ट्रेलर में अजय और तबु की केमिस्ट्री को खूब पसंद किया गया। फिल्म में अजय और तबु के अलावा शांतनु माहेश्वरी और सई मांजरेकर भी अहम रोल में नजर आएंगे।

परिणीति चोपड़ा

बोलीं- 'अमरजोत' का किरदार निभाकर अच्छे रोल मिल रहे

परिणीति चोपड़ा फिल्म चमकीला में नजर आई थीं। फिल्म का डायरेक्शन इम्तियाज अली ने किया है। परिणीति चोपड़ा ने फिल्म की सक्सेस पर खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि इस फिल्म की सक्सेस फेक नहीं है। उन्होंने इस सक्सेस को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड बताया। परिणीति ने कहा- ये फिल्म उनके लिए टर्निंग पॉइंट रहा है। अमरजोत का किरदार निभाने के बाद उन्हें अच्छे रोल्स मिलने लगे हैं। आमतौर पर लाइफ टाइम अचीवमेंट 50 साल की सेवा के बाद मिलता है। लेकिन ये सक्सेस मुझे वही एहसास देता है। इसकी सक्सेस फेक नहीं है। एक्ट्रेस को लगता है कि फिल्म को लोगों ने वास्तव में पसंद किया है और आज के समय में इससे बेहतर कोई पैरामीटर नहीं हो सकता। परिणीति ने बताया कि ये उनके लिए बहुत शॉकिंग है। चमकीला करने के बाद उन्हें पहले की तुलना में बहुत अलग किरदार मिल रहे हैं। परिणीति ने कहा- अमरजोत के किरदार में डायरेक्टर्स ने मेरी परफॉर्मेंस में कुछ ऐसा देखा है, जो पहले किसी फिल्म में नहीं देखा। एक डायरेक्टर ने परिणीति को बुलाकर कहा कि पूरी फिल्म में तुम्हारी आंखों में कुछ था। जब मैं अपनी फिल्म लिख रहा था, तो मैंने तुम्हारे बारे में कभी नहीं सोचा था। लेकिन चमकीला देखने के बाद तुम्हारे अलावा किसी और एक्ट्रेस के बारे में सोच भी नहीं पा रहा। इसलिए परिणीति को लगता है कि अब डायरेक्टर्स उन्हें एक अलग नजरिए से देख पा रहे हैं, अगर मैंने अमरजोत का किरदार न निभाया होता तो ऐसा नहीं हो पाता। ये मेरे लिए बड़ा टर्निंग पॉइंट रहा है।

सुलतानिया अस्पताल में किसान से ठगी करने वाले पिता-पुत्र गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हमीदिया अस्पताल परिसर में जालसाजों ने पीतल की चेन को सोने की बताकर मरीज के परिजन से डेढ़ लाख रुपए ठग लिए। जालसाज ने पीड़ित किसान को बताया कि उसकी पत्नी का आपरेशन होना है। इसके लिए उसके पास पैसा नहीं है। इसलिए वह सोने की चेन गिरवी रख रहा है। उनकी झांसे में आया किसान उसे डेढ़ लाख रुपए देकर चेन ले लिया। जब सुनार के पास चेन को चेक कराया तो वह पीतल की निकली। चेन की ऊपरी परत में गोल्ड पॉलिश की हुई थी। कोहेफिजा पुलिस ने ठगी करने वाले पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने जालसाजों के पास से एक लाख रुपए नकदी, करीब 2 किलो वजनी नकली जेवरात जब्त किए हैं।

पुलिस के मुताबिक, ग्राम चापाखेड़ा नरसिंहगढ़ निवासी 51 साल के बलराम जांगड़े पिता किशन लाल जांगड़े किसान हैं। उन्होंने कोहेफिजा पुलिस को बताया कि 14 जून को वह अपनी बेटी हेमलता को डिलेवरी के लिए हमीदिया अस्पताल स्थित सुल्तानिया अस्पताल में एडमिट कराया था। उसी दौरान 23 जून को हमीदिया के पश्चिमी गेट के पास बैठे थे। तभी दो व्यक्ति आए। वह मरीज के बारे में उनसे बातचीत करने लगे। 24 जून की शाम करीब 6 बजे बजे वही दोनों लोग आए। बोले की मेरी पत्नि का ओपरेशन होना है। जिसके लिए मुझे पैसे की जरूरत है। तुम मुझे तीन लाख रुपए दे दो। मैंने कहा कि मेरे पास पैसे नहीं है। मैं तुम्हे नहीं जानता। इस पर उन दोनों ने कहा कि तुम सोने के जेवर गिरवी रख लो। उसके बदले पैसे दे दो। उन दोनो लोगो ने मुझे सोने की लड़ीदार चेन दी। इस पर किसान ने उन्हें डेढ़ लाख रुपए दे दिया। जालसाजों ने उन्हें अपना मोबाइल नंबर भी दे दिया। दो दिन बाद घर पहुंचकर सोनी की दुकान पर ले गया। पता चला की ये सोने की न होकर पीतल की है। किसान ने उन्हें फोन लगाया। जो बंद मिला। जालसाजों की 30-32 उम्र रहे होगी। किसान 2 जुलाई को मामला दर्ज कराने थाने पहुंचे। पुलिस ने मामला दर्ज किया।

जमीन की खुदाई में गड़ा सोना बताकर ठगी

कोहेफिजा पुलिस ने नई बस्ती गांधी नगर निवासी 51 वर्षीय शंकर लाल व उसके 22 वर्षीय बेटे किशोर लाल को गिरफ्तार किया है। दोनों मिलकर ठगी करते हैं। वह गिरवी रखने वाले जेवर के बारे में बताते हैं कि उन्हें जमीन की खुदाई में मिला है। मानवीय समस्य बताकर वह लोगों को शिकार बनाते हैं। पुलिस इनसे अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ कर रही है। इसकी वजह यह कि हमीदिया में किसान के अलावा दो अन्य लोगों से इसी तरह की ठगी की जा चुकी हैं। हालांकि दोनों आरोपी दावा कर रहे कि उन्होंने पहली वारदात की थी। उसमें भी पकड़े गए।

बागसेवनिया में अनामय अस्पताल के पास लूटपाट, जल्द कर सकती है पुलिस बड़ा खुलासा

इंजीनियरिंग छात्र से चाकू अड़ाकर दो मोबाइल लूटे, चार संदेही हिरासत में

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित अनामय अस्ताल में अनामय अस्पताल के पास 9 बी साकेत नगर में दो बाइक से आए चार बदमाशों ने इंजीनियरिंग छात्र को रोक लिया। आरोपियों ने उससे मारपीट की और जेब में रखे दो मोबाइल छीन लिए। घटना सोमवार देर रात सवा 12 बजे के आसपास की है। लूट की शिकायत मिलते ही पुलिस ने लूटपाट करने के संदेह में चार संदेहियों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस का अनुमान है कि संदेहियों से लूटपाट की अन्य वारदातों का खुलासा होने की उम्मीद है।

पुलिस के अनुसार अजेंद्र रघुवंशी पिता राजेंद्र रघुवंशी (20) मूलत- गांधी वार्ड, करेली तहसील, जिला नरसिंहपुर का है। अजेंद्र इन दिनों वी 28, बीडीए काम्प्लेक्स साकेत नगर में रहता है और निजी कॉलेज से इंजीनियरिंग की पड़ाई कर रहा है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि सोमवार रात वह घर के बाहर मोबाइल पर बातचीत करते हुए टहल रहा था। इसी बीच निरामय अस्पताल के पास दो बाइक पर चार युवक पहुंचे और उससे गालीगलौज करते हुए चाकू निकाल लिया। वह कहने लगे कि जेब में जो भी है निकालकर दे दो अजेंद्र ने कहा कि वह लोवर पहनकर आया है और उसके पास कुछ भी नहीं है तो आरोपियों ने मारपीट करते हुए उसके दोनों मोबाइल छीन लिए।

चारों संदेहियों से पूछताछ जारी

मोबाइल छीनने के बाद आरोपी वहां से भाग निकले। अजेंद्र ने घटना की शिकायत बागसेवनिया पुलिस से की थी। पुलिस ने इलाके में सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखे और संदेह के आधार पर बादल, विश्वजीत, अस्त्रेन और प्रिंस को हिरासत में लेकर पूछताछ की। सूत्रों की माने तो संदेहियों के पास से दोनों मोबाइल भी बरामद कर लिए गए है। उनसे लूटपाट की अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

लॉस्ट सेलफोन यूनिट ने गुम हुए 300 मोबाइल बरामद कर लौटाए

सायबर क्राइम की लॉस्ट सेलफोन यूनिट ने प्रदेश समेत देशभर के विभिन्न इलाकों से गुम हुए 300 मोबाइल बरामद कर बुधवार को उनके मालिकों को लौटा दिए। बरामद हुए गुम मोबाइल फोन की कीमत लगभग 56 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र की मौजूदगी में मोबाइल फोन उनके मालिकों को सौंपे गए। गुम मोबाइल मिलने से लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। पुलिस के मुताबिक सायबर सेल की लॉस्ट सेलफोन यूनिट ने मध्य प्रदेश के रायेसन, विदिशा, राजगढ़, सीहोर, नरसिंहपुर, सागर, होशंगाबाद, ग्वालियर, इंदौर व भोपाल जिलों के अलावा छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, नई दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार आदि राज्यों से तकनीकी एनालिसिस व अन्य संसाधनों के माध्यम से फरियादियों के 300 गुम मोबाइल बरामद करने में कामयाबी हासिल की है। उक्त सभी मोबाइल भोपाल शहर से गुम हुए थे। साल 2013 से लास्ट सेलफोन यूनिक की शुरूआत हुई थी और अब तक 8 साल के दौरान यह यूनिट लगभग सवा 12 करोड़ रुपए कीमत के 6337 गुम मोबाइल खोजकर उनके मालिकों को सौंप चुकी है। पुलिस कमिश्नर ने इस मौके पर कहा कि वर्तमान परिवेश में मोबाइल फोन आम लोगों के जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। लोगों की परेशानी को देखते हुए उनकी सहूलियत के लिए क्राइम ब्रांच भोपाल ने 8 साल पहले लॉस्ट सेलफोन यूनिट की अनोखी पहल शुरू की थी। सेल का मु य उद्देश्य जल्द से जल्द लोगों के गुम मोबाइल बरामद कर उन्हें लौटाना है ताकि अपने गुम मोबाइल के लिए ढूंढने के लिए इन्हें विभिन्न थानों में भटकना न पड़े। लॉस्ट सेलफोन यूनिट ने साल 2019 में 1759, साल 2020 में 885, साल 2021 में 1084, साल 2022 में 1256 व साल 2023 में 1353 गुम मोबाइल बरामद कर उनके मालिकों को सौंप चुकी है।

देश के विभिन्न इलाकों से 56 लाख के मोबाइल जब्त कर उनके मालिकों को सौंपे

इनकी रही अहम भूमिका : प्रदेश और देश के विभिन्न इलाकों से गुम मोबाइला खोजकर लाने में निरीक्षक तरूण कुरील, एएसआई चिन्नाराव, एएसआई अंजनी पांडेय, प्रधान आरक्षक मयंद सिंह चौहान, प्रधान आरक्षक नईम खान, आरक्षक अंकित सिंह, शुभम राठौर, रवि शिल्पी, आशीष मिश्रा, हरीश पटेल, धीरेन्द्र यादव, शिवम निलोसे, जितेन्द्र मेहरा, अभिषेक सिंह, अभिषेक यादव की अहम भूमिका रही।

कार ने ठेला धकेल रही महिला के ठेले को मारी टक्कर, पेट में आई थी चोट, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित गांधी मार्केट में ठेला धकेलकर घर ले जा रही महिला के ठेले को कार ने टक्कर मार दी। ठेले में टक्कर लगने से ठेले का हिस्सा महिला के पेट में टकराया था और उसे पेट में गंभीर चोट थी। महिला को इलाज के लिए पुराने शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। करीब तीन महीने चलाज के बाद बुधवार रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्गड़कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार सुनिता प्रजापति पति हरिप्रसाद प्रजापति (50) चांदबाड़ी झुग्गी, पिपलानी में रहती थी। वह सब्जी का व्यवसाय करतीड़थी। गत 12 मार्च को सुनिता ने गांधी मार्केट में ठेले पर सब्जी की दुकान लगाईड़थी। रात करीब दस बजे सब्जी बेचने के बाद सुनिता ने ठेला मुख्य सड़क की तरफ निकाला और उसे लेकर घर की तरफ जाने के लिए निकल गई। वह गांधी मार्केट से बाहर निकली भी नहीं थी कि उसके ठेले को कार वाले टक्कर मार दी। ठेले में टक्कर लगने से ठेला सुनिता के पेट से टकराया था और उन्हें अंदरूनी चोट आई थी। करीब तीन महीने चले इलाज के दौरान सुनिता की मौत हो गई।

भोपाल। संजीव नगर में सामाजिक कार्यकर्ताओं ने आज पौधारोपण किया।

पति से अनबन के बाद पत्नी ने जहरीला पदार्थ पीकर दी थी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित आईटी पार्क के पास रहने वाली 30 साल की महिला ने मंगलवार सुबह जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर अवस्था में पति उसे लेकर अस्पताल पहुंचा था, वहां करीब एक घंटे चले इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके है। पुलिस का कहना है कि पति उसे उसकी अनबन हुई थी। हालांकि मृतका की मौत की जानकारी मिलने पर मायके पक्ष के लोग आ गए थे, लेकिन उन्होंने अपने बयान दर्ज नहीं कराए हैं। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के बाद उन्हें सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार कूलर फैक्ट्री के पास आईटी पार्क गांधी नगर निवासी जितेन्द्र गौर एक निजी अस्पताल में ड्रायवरी करता है। साल 2016 में उसकी शादी सिवनी, जिला होशंगाबाद में रहने वाली पूजा गौर (30) से हुई थी। उनके सात व पांच साल के दो बच्चे हैं। मंगलवार की सुबह पूजा ने अपने घर में कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर पति उसे अस्पताल लेकर पहुंचा। करीब एक घंटे बाद इलाज के दौरान पूजा की मौत हो गई। मौत होने के बाद अस्पताल से पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस का कहना है कि महिला के मृत्युपूर्व बयान नहीं हो सके हैं। सूचना मिलते ही मृतका के परिजन सिवनी से भोपाल आ गए थे।

झदा कब्रिस्तान से चंदन के पेड़ चुराकर ले गए तस्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित झदा कब्रिस्तान से चंदन के पेड़ चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना 26-27 जून की दरमियानी रात की है। कब्रिस्तान के अध्यक्ष द्वारा 27 जून को थाने में शिकायत की गई थी। पुलिस ने शिकायती आवेदन लेकर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसी बीच सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात फिर चंदन पेड़ों की तस्करी करने वाले तस्कर पेड़ काटकर ले गए। लगातार चंदन के पेड़ कटने की शिकायत के बाद पुलिस ने बुधवार को अज्ञात तस्करों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर लिया। पुलिस चंदन तस्करों की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार मूर्गी बाजार, जहांगीराबाद निवासी पूर्व पार्षद रिहान अहमद गोल्डन, झदा कब्रिस्तान कमेटी के अध्यक्ष हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि झदा कब्रिस्तान में गत 26-27 की दरमियानी रात अज्ञात तस्करों ने चंदन के पेड़ काट लिए। चार पेड़ काटे जाने की शिकायत लेकर वह 27 जून को जहांगीराबाद थाने पहुंचे थे। पुलिस ने शिकायती आवेदन लेने के बाद उन्हें चलता कर दिया। पुलिस का कहना था कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। इसी बीच सोमवार-मंगलवार की दरमियानी फिर झदा कब्रिस्तान से तस्करों ने पेड़ काट लिए। लगातार पेड़ काटे जाने से परेशान होकर वह थाने पहुंचे और पुलिस को घटना की शिकायत की। उनकी शिकायत पर जहांगीराबाद पुलिस ने अज्ञात तस्करों पर चोरी का मामला दर्ज कर लिया है।

27 जून को थाने में दिया आवेदन, पुलिस करती रही जांच, इस बीच पांच अन्य पेड़ चोरी

लोडिंग वाहन पलटा, कंडक्टर साइड बैठे युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित राजीव नगर टपरा में बुधवार रात लोडिंग वाहन (छोटा हाथी) अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में कंडक्टर साइड बैठे युवक को गंभीर चोट आई थी। उसे तत्काल भैंसाखेड़ी स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एसआई करण सिंह वर्मा ने बताया कि सब्बीर पिता सादिक (20) गांव पाटनिया, परवलिया सड़क थाना क्षेत्र में रहता था और प्राइवेट काम करताड़था। बुधवार रात वह गांव में रहने वाले हलीम खान के साथ लोडिंग आटो से आयसर कॉलेज जाने के लिए नि कला था। आटो हलीम खान चला रहा था, जबकि बगल वाली सीटी पर सब्बीर बैठा था। राजीव नगर टपरा कॉलोनी के पास पहुंचते ही मुख्य सड़क पर अचानक कुत्ता आ गया। उसे बचाने के प्रयास में हलीम खान ने आटो के ब्रेक लगाकर स्टेयरिंग मोड़ दिया था। इससे आटो पलट गया। कंडक्टर साइड आटो पलटने से सब्बीर दब गया था और उसे गंभीर चोट आई थी।

मेट्रो एंकर एएसआई ने थाने में डाली रिपोर्ट तो वायरल किया ऑडियो

मोबाइल पर हेड कांस्टेबल और एएसआई की गाली-गलौज, सोशल मीडिया पर वायरल

भोपाल, दोपहर मेट्रो। सूखीसेवनिया थाने के हवलदार और एएसआई का एक ऑडियो वायरल हुआ है। वायरल ऑडियो में एएसआई केसी यादव हेड कांस्टेबल सुरेन्द्र जादौन को गालियां देते हुए सुनाई दिए हैं। तीस सेकंड के ऑडियो में हवलदार और एएसआई के बीच जमकर हॉट टॉक हुई है। ऑडियो वायरल होने के बाद आलाधिकारियों ने जांच के आदेश दिए है।

जानकारी के अनुसार चौपड़ा कला में सोमवार रात मुख्य सड़क पर बारिश के चलते एक बड़ा से पेड़ गिर गया था। नाइटड्यूटी एएसआई केसी यादव की थी। वे डायल 100 में तैनात पायलेट के साथ मौके पर पहुंचे और थाना प्रभारी रामबाबू चौधरी को घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सड़क पर पेड़ पड़े होने के कारण हादसे हो रहे हैं। थाना प्रभारी ने ग्रामीण की मदद लेकर कटर से पेड़ कटवाकर सड़क किनारे करवाने का कहा था। उन्होंने कहा था कि थाने में मौजूद हेड कांस्टेबल सुरेंद्र जादौन को भी बुला लो मदद लेकर जल्दी पेड़ हटवा दो। केसी यादव ने हेड कांस्टेबल को कॉल कर बुलाया, लेकिन वह नहीं पहुंचे। लिहाजा उन्होंने पायलेट और ग्रामीण की मदद से रात में ही पेड़ कटर से कटवाया और उसे सड़क किनारे कर दिया। उन्होंने पेड़ हटाने के बाद थाना प्रभारी को जानकारी दी। थाना प्रभारी ने पूछा कि पेड़ हटाने में हेड कांस्टेबल सुरेश पहुंचे थे या नहींड़ इस पर केपी यादव ने बताया कि पेड़ पायलेट और ग्रामीणों की मदद से हटाया गया है। थाना प्रभारी के कहने पर केसी यादव ने हेड कांस्टेबल की थाने में रिपोर्ट डाल दी। रिपोर्ट डालने से नाराज हेड कांस्टेबल और एएसआई की बुधवार सुबह मोबाइल पर हॉटटॉक हो गई। एसपी प्रमोद कुमार सिन्हा ने दोनों पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच कर दिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022